● वर्ष-3
● अंक-10
रायपुर, रविवार
20 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 20 अगस्त रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 22 अगस्त मंगलवार को प्रकाशित होगा।

डिजिटल सुरक्षा पर तालमेल की सख्त जरूरत : अश्विनी वैष्णव

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि दुनिया के आपस में जुड़ जाने के बाद साझा सुरक्षा जोखिम पैदा हो गया है, जिसके लिए डिजिटल सुरक्षा पर परस्पर तालमेल की अत्यंत आवश्यकता है। वैष्णव ने 'जी-20 डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यसमूह मंत्रियों' की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यबल के सिलसिले में भारतीय अध्यक्षता में तीन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का चयन किया गया है, जिससे प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में मदद मिलेगी। रेलवे, इलेक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कहा, ''आपस में दुनिया के जुड़ जाने के बाद साझा सुरक्षा जोखिम पैदा हो गया है। इसलिए डिजिटल सुरक्षा पर तालमेल की जरूरत अत्यावश्यक हो गयी है।''

वैष्णव ने कहा, ''डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यसमूह के लिए भारत की अध्यक्षता में चुने गये प्राथमिकता वाले क्षेत्र डिजिटल लोक अवसंरचना, डिजिटल अर्थव्यवस्था में सुरक्षा और डिजिटल कौशल प्रशिक्षण हैं।''केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये प्राथमिकताएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिशादृष्टि की झलक देती हैं जो प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में यकीन करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रौद्योगिकी का लाभ हर नागरिक तक पहुंचना चाहिए, भले ही उसकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। वैष्णव ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र की सार्वजनिक बुनियादी संरचना को प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में अहम भूमिका निभानी है।

उनके अनुसार, भारत का डिजिटल मंच यूपीआई सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) पहल का बहुत अच्छा उदाहरण है। वैष्णव ने कहा, ''यह मंच सार्वजनिक कोष की मदद से बनाया गया है और फिर उससे निजी साझेदार जुड़ गये। सत्तर से अधिक बैंक, पांच करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता इस मंच से जुड़ गये।'' उन्होंने कहा कि परिणाम यह हुआ कि जुलाई, 2023 में 10 अरब डॉलर के तत्क्षण लेनदेन हुए और वार्षिक आधार पर अब ये लेनदेन दो लाख करोड़ रुपये को पार कर गये हैं।

जनधन खातों की संख्या 50 करोड़ के पार

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया मील का पत्थर

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जनधन खातों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंचने को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है। उन्होंने इस उपलब्धि की जमकर सराहना भी की। जनधन खातों में आधे से ज्यादा महिलाओं के खातें शामिल है। उन्होंने एक्स पर कहा, %यह देखकर खुशी होती है कि इनमें आधे से अधिक खाते महिलाओं के हैं। केंद्रीय वित्तीय मंत्री ने कहा कि देश में जनधन खातों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंच चुका है, जिसमें से 56 फीसदी अकाउंट महिलाओं के हैं। उन्होंने बताया कि 67 फीसदी अकाउंट ग्रामीण और अर्ध शहरी इलाकों में खोले गए हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा, यह देखकर खुशी हो रही है कि इनमें से आधे अकाउंट नारी शक्ति का है। 67 फीसदी अकाउंट ग्रामीण इलाकों में खोले गए हैं। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि वित्तीय समावेशन का लाभ हमारे देश के हर कोने तक पहुंचे। वित्तीय मंत्रालय ने बताया, जन धन खातों में कुल जमा राशि 2.03 लाख रुपये से अधिक है, जबकि इन खातों से लगभग 34 करोड़ रुपे कार्ड मुफ्त में जारी किए गए हैं। मोदी सरकारी ने साल 2014 में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए इस योजना को लागू किया था। इसका एकमात्र उद्देश्य कई वित्तीय सेवाओं को गरीबों के लिए सुलभ बनाना था।

मिशन अमृत सरोवरः लक्ष्य हासिल करने में आठ राज्य पीछ

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय लक्ष्य हासिल किए

जाने के बावजूद आठ राज्य मिशन अमृत सरोवर के तहत उद्देश्यों को पूरा करने में पीछे हैं। इसमें कहा गया है कि मिशन के क्रियान्वयन में पिछड़ने वाले राज्य पश्चिम बंगाल, पंजाब, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, बिहार और राजस्थान हैं।

66,278 अमृत सरोवरों का किया गया निर्माण/कायाकल्प

इसमें कहा गया है, पश्चिम बंगाल, पंजाब, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, बिहार और राजस्थान को छोड़कर सभी राज्यों के प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवरों के जिला स्तरीय लक्ष्य को हासिल करने के प्रयास किए हैं, जहां कुछ जिलों को अभी लक्ष्य हासिल करना है। मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, चिन्हित किए गए 1,12,277 (1.12 लाख) अमृत सरोवरों में से 81,425 पर काम शुरू हो चुका है। कुल 66,278 अमृत सरोवरों का निर्माण या कायाकल्प किया गया है।

पीएम मोदी ने पिछले साल लॉन्च किया था मिशन

इस अभियान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अप्रैल, 2022 में लॉन्च किया गया था। मिशन अमृत सरोवर का उद्देश्य हर जिले में कम से कम 75 जल निकायों का कायाकल्प करना है। 15 अगस्त तक 50 हजार अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य था। मंत्रालय ने मई में घोषणा की थी कि 50,071 अमृत सरोवरों को पूरा करने के साथ ही राष्ट्रीय लक्ष्य को निर्धारित समय से पहले हासिल कर लिया गया है।

मिशन अमृत सरोवर में आठ मंत्रालय शामिल

मिशन में आठ केंद्रीय मंत्रालय ग्रामीण विकास; पंचायती राज; वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन; रेलवे और सड़क परिवहन और राजमार्ग - और विभाग, भूमि संसाधन, पेयजल और स्वच्छता और जल संसाधन शामिल हैं।

इन योजनाओं पर फोकस करता है मिशन

यह मिशन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, पंद्रहवें वित्त आयोग के अनुदान और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की उप-योजनाओं (जैसे जलसंभर विकास घटक और हर खेत को पानी) पर फोकस करके राज्यों और जिलों के जरिए काम करता है। यह इन प्रयासों के लिए नागरिक और गैर-सरकारी संसाधनों को जुटाने को भी प्रोत्साहित करता है।

93% मार्गों पर काम नहीं कर रही उड़ान योजनाः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र की उड़ान योजना 93 फीसदी मार्गों पर काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से आम लोगों को सिर्फ झूठ और जुमले मिले।

क्षेत्रीय हवाई संपर्क को प्रोत्साहित करने और टियर-2 और टियर-3 शहरों और कस्बों में जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 21 अक्टूबर, 2016 को उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के नाम से एक क्षेत्रीय संपर्क योजना शुरू की गई थी। उन्होंने ट्वीट किया, उड़ान मिली नहीं, बस झूठ और जुमलों की बात की! भारत अब ऐसी अक्षम सरकार को माफ नहीं करेगा।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई यात्रा करने की सुविधा देने का मोदी सरकार का वादा अपने सभी वादों की तरह पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, यह हम नहीं कह रहे हैं, कैग रिपोर्ट यह कह रही है। योजना (उड़ान) 93 फीसदी मार्गों पर काम नहीं कर पाई। यहां तक कि एयरलाइनों का स्वतंत्र ऑडिट भी नहीं किया गया। बहुप्रचारित हेलीकॉप्टर सेवाएं भी ठप रहीं। उन्होंने ट्वीट किया,उड़ान मिली नहीं, बस झूठ और जुमलों की बात की! भारत अब ऐसी अक्षम सरकार को माफ नहीं करेगा।

अमेठी में राहुल-वाराणसी में प्रियंका का सियासी शिगूफा

नईदिल्ली। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय भले ही दावा कर रहे हों कि राहुल गांधी अपने पुराने संसदीय क्षेत्र अमेठी से पुनः लोकसभा का चुनाव लड़ेगें और प्रियंका वाड्रा गांधी वाराणसी से मोदी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरती हैं तो कांग्रेसी उनके लिए जी-जान लगा देंगे, लेकिन ऐसा संभवत होता नहीं दिख रहा है। इसकी वजह साफ है, अमेठी से लोकसभा का पिछला चुनाव हारने के बाद जिस तरह से राहुल गांधी ने अमेठी से मुंह मोड़ लिया है, उससे अमेठी की जनता के बीच राहुल की छवि काफी कमजोर हुई है। जिस अमेठी की जनता ने राहुल को तीन बार सांसद बनाया, उस जनता के साथ राहुल गांधी ने 2019 से नाता ऐसे नाता तोड़ मानों राहुल और अमेठी के बीच बस चुनावी रिश्ता था। जबकि 2019 की हार से पूर्व राहुल गांधी

अमेठी को लेकर काफी भावनात्मक बातें किया करते थे। बात यहीं तक सीमित नहीं है। राहुल को हरा कर अमेठी से सांसद बनी बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने पिछले पांच वर्षो में अमेठी में विकास का काफी काम कराया है, वह लगातार अमेठी वालों के सम्पर्क में रहती हैं, उनके दुख दर्द में सहारा बनती हैं।इस लिए अब शायद ही अमेठी की जनता राहुल को फिर से गले लगायेगी, वैसे भी केरल की मुस्लिम बाहुल्य वॉयनाड सीट राहुल के लिए काफी सुरक्षित है। इसी प्रकार प्रियंका के वाराणसी से चुनाव लड़ने की बात भी खोखली है, जो गांधी परिवार हमेशा से अपने लिए सुरक्षित लोकसभा सीट की तलाश में रहता है, उसकी नेत्री प्रियंका वाड्रा कभी भी अपना चुनावी राजनीति का कैरियर वाराणसी से शुरू करने का दांव नहीं लगायेंगी।

लोकसभा चुनाव 2019 में अमेठी सीट पर हार झेलने के बाद उत्तर भारतीयों की समझ पर राहुल गांधी ने जिस तरह से सवाल उठाया था, उसके बाद राहुल के लिए अमेठी में कांटे ही कांटे नजर आ रहे हैं, इतना ही नहीं केरल की वायनाड सीट से जीत के बाद राहुल गांधी का रुझान दक्षिण की तरफ अधिक बढ़ा है। हालांकि, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के दावे ने अमेठी से लेकर प्रदेश और देश की राजनीति में एक नया सवाल खड़ा कर दिया है। क्या एक बार फिर अमेठी में स्मृति ईरानी बनाम राहुल गांधी मुकाबला देखने को मिलेगा। इसको लेकर अब कांग्रेसी नेता सामने आ रहे हैं। सीनियर कांग्रेसी नेता राशिद अल्वी ने राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने पर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी अमेठी से लोकसभा चुनाव 2024 में उम्मीदवार होंगे तो स्मृति ईरानी की यहां से जमानत जब्त हो जाएगी, खैर,अपने नेता के लिए कोई भी राशिद जैसे सपने सजो सकता है। इसमें कोई रोकटोक नहीं है। हो सकता है कि कांग्रेस को लग रहा हो कि वह गठबंधन के सहारे यह सीट राहुल के लिए जीत जाए,लेकिन अभी ऐसा कुछ नहीं नजर आ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल मॉय एफ एम 94.3 के आईये मिलकर एक पौधा लगाएं श्रीराम के नाम कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने राम वनगमन पथ के प्रारंभिक नौ स्थलों के मिट्टी से लगाए गए पौधों को स्कूल के बच्चों को वितरित किया। इन पौधों को कौशल्या माता परिसर चंदखुरी में रोपण किया जाएगा।

प्रमुख समाचार

धोखाधड़ी-हंगरी के नागरिक के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर'

भुवनेश्वर। आप्रवासन ब्यूरो (बीओआई) ने निवेशकों से कथित तौर पर धोखाधड़ी देने के मामले में संलिप्त हंगरी के नागरिक और क्रिप्टो पोंजी फर्म के प्रमुख के खिलाफ लुकआउट सुर्कलर जारी किया है। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि एसटीए टोकन नामक कंपनी पर भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी के बिना देश में पोंजी कारोबार चलाने और देशभर के दो लाख लोगें से करीब एक हजार करोड़ रुपये जमा करवाने का आरोप है। उसने बताया कि ओडिशा की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू)के अनुरोध पर लुकआउट सुर्कलर जारी किया है जो इस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। ईओडब्ल्यू ने कंपनी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और इनामी चिट और धन परिचालन स्कीम (पाबंदी) अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में संलिप्त दूसरे विदेशी व नीदरलैंड के नागरिक कीजांच की जा रही है। ईओडब्ल्यू ने बताया कि हंगरी का नागरिक डेविड गेज एसटीए टोकन का प्रमुख है।

मध्य प्रदेश में दंगा कराना चाहती है भाजपाः दिग्विजय

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इसी सिलसिले में पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने एक अहम बयान दिया है, जिससे राज्य का सियासी माहौल गरमा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हरियाणा के नूंह में हुए दंगों की तरह मध्य प्रदेश में भी सांप्रदायिक दंगे कराने की योजना बना रही है। भोपाल में वकीलों की एक सभा को संबोधित करते हुए, सिंह ने कहा, मुझे जानकारी मिल रही है कि भाजपा दंगे भड़काने की योजना बना रही है, जैसा कि उन्होंने हरियाणा के नूंह में कराया था। ऐसा लगता है कि ऐसे दंगों को भड़काने के लिए एक सोची-समझी रणनीति बनाई गई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि ऐसा लगता है कि बीजेपी को यह लगने लगा है कि उनके खिलाफ काफी असंतोष है। सिंह ने बताया कि 2018 में विवेक तन्खा ने कांग्रेस के समर्थन में हजारों वकीलों को एकजुट किया, जिससे अंतत: हमारी सरकार बनी। एक बार फिर वकील हमारे साथ खड़े हैं। हमें उम्मीद है कि इस बार भी हम पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएंगे।

कांग्रेस का आरोप वी20 बैठक में शामिल नहीं होने देने का

नईदिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने लोगों को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से संबंधित एक इमारत के अंदर कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित वी20 बैठक में शामिल होने से रोका।

पुलिस ने कहा कि आयोजकों ने संवेदनशील क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए न तो सूचना दी और न ही अनुमति ली। यह कार्यक्रम यहां दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग पर हरकिशन सिंह सुरजीत भवन में आयोजित किया जा रहा था। इसमें कार्यकर्ता और विपक्षी नेता लोगों के मुद्दों को उठाने के लिए एकत्र हुए थे। कार्यक्रम का आयोजन 18 से 20 अगस्त तक होना है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर इस शांतिपूर्ण बैठक के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाया। रमेश ने आरोप लगाया, वी द पीपुल, का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित वी 20 की बैठक में शामिल होने से लोगों को दिल्ली पुलिस रोक रही है। यह बेहद आश्चर्यजनक है। उन्होंने कहा, माकपा से जुड़े एक भवन में यह बैठक पूरी तरह से शांतिपूर्ण है।

यहां इस्लाम कभी तलवार के जरिए नहीं आयाः आजाद

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने पिछले दिनों डोडा में एक बयान दिया था। उसी बयान पर शनिवार को उन्होंने न्यूज एजेंसी से बातचीत में स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने दोहराया कि हिंदू धर्म सबसे पुराना है।

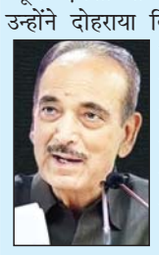

उन्होंने कहा, हाल ही में मैंने एक तकरीर दी थी, जिस वजह से आवाम में कुछ असमंजस पैदा हुआ। ...दरअसल, मैं हिंदुस्तान में हिंदू-मुस्लिम इतिहास के बारे में बोल रहा था। यह भी बोल रहा था कि कुछ लोग आमतौर पर कहते हैं कि मुसलमान बाहर से आए हैं, मैं हमेशा उसके पीछे तर्क देता रहा हूं कि दो चीजें हैं। बहुत ही चंद मुसलमान बाहर से आए हैं। ज्यादा तादाद हिंदुस्तानी मुसलमानों की है। दुनिया और हमारे मुल्क में इस्लाम कभी भी तलवार के जरिए नहीं आया, बल्कि मोहब्बत, प्यार और पैगाम के जरिए आया। बदकिस्मती से इन चीजों को रिकॉर्ड नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इस्लाम ने यहां इस मुल्क में जन्म नहीं लिया, बल्कि यहां फैला, जैसे बाकी मुल्कों में आहिस्ता-आहिस्ता फैला।

पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को जहरीले सांप ने काटा

चंडीगढ़। पंजाब के मंत्री हरजोत बैंस को बाढ़ प्रभावित इलाके में बचाव अभियान के दौरान सांप ने काट लिया। हरजोत बैंस ने कहा कि उन्हें 15 अगस्त की रात को सांप ने काट लिया था और अब उनकी हालत बेहतर है। मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने शनिवार को कहा कि रूपनगर जिले के आनंदपुर साहिब में बाढ़ प्रभावित इलाके में बचाव अभियान के दौरान उन्हें एक जहरीले सांप ने काट लिया। बैंस ने कहा कि 15 अगस्त की रात उन्हें सांप ने काट लिया था और अब उनकी हालत बेहतर है। भारी बारिश के कारण पोंग और भाखड़ा बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद पंजाब के रूपनगर, गुरदासपुर, होशियारपुर, कपूरथला और फिरोजपुर जिलों के कई इलाकों में बाढ़ आ गई। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने शनिवार को कहा कि रूपनगर जिले के आनंदपुर साहिब में बाढ़ प्रभावित इलाके में बचाव अभियान के दौरान उन्हें एक जहरीले सांप ने डस लिया। बैंस ने कहा कि उन्हें 15 अगस्त की रात को सांप ने डस लिया था और अब उनकी हालत बेहतर है। भारी बारिश के कारण पोंग और भाखड़ा बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद पंजाब के रूपनगर, गुरदासपुर, होशियारपुर, कपूरथला और फिरोजपुर जिलों के कई इलाकों में बाढ़ आ गई।

वाराणसी में मोदी से हार चुके अजय राय देंगे कांग्रेस के सपनों को उड़ान

स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की बागडोर एक बार फिर बदल दी गई। अबकी से पूर्वांचल के दबंग नेता और वाराणसी में बीजेपी के खिलाफ मुरली मनोहर जोशी से लेकर मोदी तक के खिलाफ लोकसभा चुनाव में ताल ठोंक चुके अजय राय कभी भारतीय जनता पार्टी के नेता हुआ करते थे। अजय राय ने अपनी राजनीति की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी की छात्र इकाई से की थी और पार्टी ने उन्हें विधायक तक की कुर्सी पर पहुंचाया था। 2012 में दिग्विजय सिंह यूपी के प्रभारी और कांग्रेस महासचिव थे। उन्होंने अजय राय की कांग्रेस में एंट्री कराने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अजय 2012 के विधानसभा उपचुनाव में वाराणसी की पिंडरा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े और पांचवीं बार विधायक बने। अजय राय एक दबंग नेता हैं। माफिया मुख्तार अंसारी को सजा दिलाने में अजय राय का बड़ा हाथ रहा है। अवधेश राय हत्याकांड में अजय पैरोकार थे। इसी हत्याकांड में मुख्तार को पहली बार सजा हुई है। मुख्तार उम्रकैद की सजा काट रहा है।

बता दें कि, पंजाब में जब कांग्रेस की सरकार थी तब मुख्तार अंसारी को जेल में वीवीआईपी ट्रीटमेंट की खबर ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। तब भी अजय राय ने इस पर सवाल खड़े किए थे। अजय राय, प्रियंका गांधी वाड्रा के काफी करीबी नेता हैं। अब अजय राय के सहारे कांग्रेस यूपी में अपनी खोई जमीन पाने में जुटेगी। कांग्रेस ने बृजलाल

खाबरी को हटा कर अजय राय को नया यूपी अध्यक्ष बनाया है। पिछले काफी दिनों से इस बात की चर्चाएं थीं कि कांग्रेस बृजलाल खाबरी को हटा सकती है। कांग्रेस ने पिछले साल अक्टूबर में बृजलाल खाबरी को यूपी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। अजय राय को उत्तर प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने के साथ यह भी तय किया है कि यूपी में अब प्रियंका वाड्रा की ही चलेगी। वही यहां के सभी राजनैतिक निर्णय लेंगी। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है क्योंकि अजय राय 2017 और 2022 में विधानसभा चुनाव जीतने में नाकाम रहे, लेकिन, वह सालों से कांग्रेस में महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व के उन पर भरोसे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल ही में महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा राज्य इकाई के फेरबदल में, उन्हें प्रयागराज क्षेत्र के लिए पार्टी का अध्यक्ष बनाया गया था। इसमें पूर्वी यूपी के करीब 12 जिलों की जिम्मेदारी उन्हे सौंपी गई थी। प्रियंका गांधी इस समय उत्तर प्रदेश में पार्टी मामलों की महासचिव हैं और यूपी की सियासत तय करने में कांग्रेस में उनकी राय सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। माना जा रहा है कि अजय राय को इस महत्त्वपूर्ण भूमिका में लाने के लिए सबसे ज्यादा प्रियंका गांधी ने ही जोर लगाया था।

अजय राय ने बनारस संसदीय क्षेत्र से दो बार चुनाव लड़ा। 2009 में समाजवादी पार्टी के सिंबल पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था, लेकिन मुरली मनोहर जोशी से चुनाव हार गए। फिर अजय राय ने कांग्रेस का दामन थामा और 2014 के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा।

बहरहाल, वाराणसी क्षेत्र के ताकतवर नेता राय ने कई बार अपनी पार्टी संबद्धता बदली है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी की छात्र शाखा के सदस्य के रूप में की। उन्होंने 1996 से 2007 के बीच बीजेपी के टिकट पर लगातार तीन बार कोलासला निर्वाचन क्षेत्र से विधान सभा चुनाव जीता। लोकसभा टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने पार्टी छोड़ दी। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए और 2009 के लोकसभा चुनाव में असफल रहे। इसके बाद, उन्होंने 2009 में कोलासला निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय के रूप में विधान सभा उपचुनाव जीता। 2012 में अजय कांग्रेस में शामिल हो गये थे। परिसीमन के बाद कोलासला निर्वाचन क्षेत्र का अस्तित्व समाप्त होने के बाद, उन्होंने 2012 के विधानसभा चुनाव में नव निर्मित पिंडरा निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की, जिसमें पूर्व कोलअसला निर्वाचन क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा शामिल है।

समाज के विकास के लिए भवन आवश्यक नहीं, शिक्षा और संस्कार महत्वपूर्ण : रंजना

■ **विधायक ने किया ग्राम डोमा ने लाखों के विभिन्न निर्माण कार्य का लोकार्पण व भूमिपूजन, समाज प्रबुद्ध जनों व ग्रामीणों को दिए बधाई**

धमतरी। धीवर समाज, यादव समाज, निर्मलकर समाज की बहुप्रतीक्षित मांगों पर विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने निर्माण कार्यों की सौगात देते हुए ग्राम डोमा में विधायक ने धीवर समाज सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन, यादव समाज भवन में शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन, एवं निर्मलकर समाज भवन का लोकार्पण किया गया, इसके साथ साथ नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया गया।

भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न होने के बाद यादव समाज निर्मलकर समाज धीवर समाज के साथ ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों ने साहू समाज सामुदायिक भवन में मंचीय कार्यक्रम रखा गया जहां पर विधायक रंजना साहू जी का पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए निर्माण कार्यों की स्वीकृति के लिए सभी समाज जनों ने धन्यवाद ज्ञापित किए, विधायक रंजना साहू ने कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिए भवन, शेड, आहता, किचन शेड आवश्यक नहीं है बल्कि समाज में शिक्षा और संस्कार महत्वपूर्ण है, हमारे आने वाली युवा पीढ़ी को शिक्षित बनाकर हमारे संस्कार जो सनातन प्राचीन समय से परंपरा के रूप में चली जा रही है उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना अति आवश्यक है, श्रीमती साहू ने सभी समाज वरिष्ठ जनों, सामाजिक पदाधिकारीयों, ग्रामीणों को निर्माण कार्यों की बधाई दिए। जिला पंचायत सदस्य दमयंती साहू ने कहा कि सेवा का भाव मन में रख कर पधाधिकारी समाज विकाश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, समाज और गांव को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान प्रमुख पदाधिकारी समाज सेवियों का होता है। क्षेत्र की जनपद सदस्य जागेश्वरी साहू ने लाखों के निर्माण कार्य की स्वीकृति देने के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया, और निर्माण कार्यों के लिए जनजागरूकता जरूरी होने की बात कही। इस भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि उमेश साहू, पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष भगत यादव, गुल्लू निर्मलकर, गोकरण साहू, सरपंच लक्ष्मीनारायण बंजारे, मोहित साहू, बसंत मिनपाल, राजू मिनपाल, शिक्षक राजेंद्र मीनपाल, मोतीलाल हिरवानी, घासिया

राम छपेंद्र, जगेश्वर कोशरिया, भिखू राम धीवर, चिरौंजी लाल हिरवानी, बंसीलाल कोसरिया, राजेंद्र छपेंद्र, हेमलता ओझा, सरजू राम ओझा, गौरी भाई ओझा, संतराम साहू, बल्लू ठाकुर, श्यामलाल साहू, शिवलाल कंवर, कुंज लाल यादव, गुंजन साहू, झलक ध्रुव, कृपाराम निर्मलकर, कोमल यादव, शिवचरण कुमार, दौलत धीवर, गणेश बंजारे, पंचराम सेन, नागेंद्र मरकाम, महेंद्र दास मानिकपुरी, टेमन लाल निषाद, तिहारू राम यादव, राजेश यादव धर्मेंद्र यादव, कुंदन यादव , सुमन यादव, रघुनंदन यादव, जागेश्वर यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व समाज जन उपस्थित रहे।

भाजपा के जिला व मंडल पदाधिकारियों की विधायक निवास में हुई बैठक

जनहित के मुद्दों पर धमतरी विधायक रंजना साहू मुखर है। जर्जर सड़क की समस्या दूर करने आवाज उठानी हो या फिर किसानों को खराब वर्मी कम्पोस्ट देने के खिलाफ आंदोलन करना हो विधायक ने सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी, जिसका सार्थक परिणाम भी सामने आया है। सरकार के खिलाफ विरोध के स्वर को विधायक के द्वारा अब और तेज किया जाएगा, इसके लिए उन्होंने विधायक निवास में भाजपा के चारों मंडल अध्यक्ष व जिला संगठन के पदाधिकारियों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओ व कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर रणनीति तैयार की है। बैठक में संगठनात्मक कार्यो की समीक्षा की गई जिसमे लाभार्थी सम्मेलन, गौठान पोल खोल मन की बात, मतदाता सूची में नाम जोड़वाने चलाए जा रहे अभियान को लेकर चर्चा शामिल है। सरकार के खिलाफ आगामी समय मे किये जाने वाले आंदोलन की रूपरेखा बनाई गई।

बैठक में सभी ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर पूरे दमखम के साथ आवाज उठाएंगे। विधायक रंजना साहू ने कहा कि राज्य सरकार की नाकामी भाजपा के लिए सबसे बड़ा हथियार है। हम सब एकजुटता के साथ काम करते हुए आम जनता तक सरकार की एक-एक नाकामी को पहुंचाएंगे। एकता की शक्ति से सभी का सामना करने के लिए हम सक्षम है। भाजपा के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता एक लक्ष्य बनाकर चल रहे कि जनता से झूठे वादे करने वाली सरकार को उखाड़ फेंकना है, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हम समर्पित होकर कार्य करेंगे। कांग्रेस व उसकी विचारधारा के पोषक हमारे लक्ष्य में बाधा बनने की कोशिश कर सकते है पर उन्हें एकजुटता से जवाब देकर एक नजीर पेश की जाएगी। विधायक मती साहू ने आगे भी इसी तरह बैठक आयोजित कर भाजपा के सभी पदाधिकारियों व वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में काम किया जाएगा, आंदोलन और भी तेज होगा जिससे प्रदेश सरकार की वादाखिलाफी आम जनता के सामने आएगी और सरकार के खिलाफ लोग खुलकर सामने आएंगे।

उक्त बैठक में उपस्थित जनों में अरविंदर मुंडी जिला उपाध्यक्ष भाजपा मती श्यामा नरेश साहू जिला उपाध्यक्ष भाजपा चेतन हिन्दूजा जिला कोषाध्यक्ष आई टी सेल जिला संयोजक विनय जैन भाजपा राजेश गोलछा कार्यालय मंत्री भाजपा मंडल अध्यक्ष गण विजय साहू, हेमंत चंद्राकर मुरारी हेतु उमेश साहू चारों मंडल अध्यक्ष सहित महामंत्री नीलेश लूनिया अमन राव, कोमल यादव, अखिलेश सोनकर, नरेश यादव, चंद्रहास जैन, प्रीतम साहू, मि पटेल, नगर पंचायत आमदी से पार्षद आनंद कुमार मंडल मंत्री आनंद मेश्राम रुद्री सरपंच अनीता यादव जनपद सदस्य गण अवनेंद्र साहू ,मती जागेश्वरी साहू जागेंद्र रिंकू साहू रुद्री सहित क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में अगले माह की पहली तारीख से वजन त्यौहार शुरू

■ **90 हजार बच्चों का वजन लेकर पोषण स्तर का मापन किया जाएगा**

बेमेतरा। अगले माह की पहली तारीख से वजन त्यौहार शुरू होगा। पहले ये वजन त्यौहार चालू माह 1 अगस्त से शुरू होकर 13 अगस्त 2023 तक चलने वाला था। किंतु अपरिहार्य कारणों से इसे स्थगित कर दिया गया था। अब वजन त्यौहार आगामी 01 सितम्बर से शुरू होगा, जो 13 सितंबर 2023 तक चलेगा। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास से जिला कलेक्टरों को पत्र जारी कर दिया गया है। कलेक्टर श्री पदुम सिंह एल्मा ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को सभी तैयारी समय रहते करने के निर्देश दिये है।

जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आगामी माह की पहली तारीख से 13 दिन तक चलने वाले इस वजन त्यौहार में 0 से 06 वर्ष के तकरीबन 90 हजार बच्चों का वजन कर कम वजन वाले बच्चों को चिन्हित कर कुपोषण की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जाएगा । उनके कुपोषण

स्तर की जांच की जाएगी। इसके साथ ही बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों में पूरक पोषण आहार वितरण करने के साथ पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस दौरान जन-जन को कुपोषण के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ प्रत्येक परिवार को उनके बच्चों को सही पोषण के संबंध में जानकारी भी दी जाएगी। कुपोषण को दूर करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ कितने बच्चों को मिल रहा है और कितने बच्चे कुपोषण से निजात पा चुके हैं उसका भी पता चलेगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री बी. डी. पटेल ने बताया कि वजन त्यौहार का आयोजन कलस्टर पर किया जाएगा। प्रत्येक कलस्टर में वजन त्यौहार के लिए विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, पर्यवेक्षक की डयूटी लगाई गयी है। आयोजित होने वाले वजन त्यौहार में आयु व वजन के साथ-साथ बच्चों की ऊंचाई तथा बच्चे की निःशक्तता संबंधी जानकारी भी संकलित की जायेगी। वजन त्यौहार के अवसर पर प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र हेतु ग्राम स्तरीय, वार्ड स्तरीय दल का गठन किया जाएगा एवं समुदाय के समक्ष आंगनबाड़ी, ग्राम, नगरीय क्षेत्र के सभी सर्वेक्षित बच्चे का वजन लेकर पोषण स्तर का मापन किया जाएगा। इस हेतु ऑनलाईन साफ्टवेयर से वजन की जानकारी भरकर सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही पोषण स्तर ज्ञात किया जायेगा। आंगनबाड़ी केंद्र में दर्ज बच्चों के अलावा वजन त्यौहार आयोजन के समय बाहर से आए बच्चे भी वजन लेने से वंचित न रहे यह भी सुनिश्चित किया जाएगा।

कुपोषण की सही स्थिति को जानकर प्रत्येक बच्चे की जानकारी सॉफ्टवेयर में दर्ज कर कुपोषित बच्चों की स्थिति का डाटाबेस तैयार किया जाएगा। कुपोषण विषय पर जनजागरूकता में वृद्धि लाने के लिए विशेष कार्य किए जायेंगे।

डेढ़ दर्जन नए दावेदारों को पछाड़ कर पूर्व विधायक श्रवण मरकाम आगे निकले

■ **सिहावा से भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी घोषित**

नगरी। भारतीय जनता पार्टी केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में दिनांक 16.08.2023 को सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह एवं केन्द्रीय चुनाव समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

केन्द्रीय चुनाव समिति ने छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव 2023 के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की है। जिसके पहले चरण में छत्तीसगढ़ से 21 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की गई। जिसमें सिहावा विधानसभा के अजजा वर्ग के लिए आरक्षित सीट से भाजपा के पूर्व विधायक श्रवण मरकाम को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया गया है। पिछले विधानसभा चुनाव 2018 के अंतिम क्षणों में इनका टिकट कट गया था। पार्टी ने इन पर फिर से भरोसा जताते हुए इन्हें पुनः टिकट दिया है। इनके नाम को घोषणा होते ही पूरे सिहावा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। तो वहीं टिकट के लिए संघर्षरत नए दावेदारों को बड़ा झटका लगा है।

पूर्व विधायक श्रवण मरकाम ने छत्तीसगढ़ से चर्चा करते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और सिहावा विधानसभा क्षेत्र की जनता के प्रति आभार जताते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं की मेहनत और क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद से सिहावा विधानसभा में भाजपा का कमल खिलेगा।

नए दावेदारों में प्रमुख रूप से पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, सेवानिवृत चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.एस. शांडिल्य, भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम,सरपंच ग्राम पंचायत सांकरा शशि ध्रुव,अजजा मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं सरपंच ग्राम पंचायत मुनईकेरा महेंद्र नेताम दावेदारी कर रहे थे। पूर्व विधायक मरकाम के नाम के घोषणा होने से इन्हें मायूसी हाथ लगी है।

पोड़ी उपरोड़ा के पूर्व बीईओ सहित छह कर्मचारी निलंबित

कोरबा। छत्तीसगढ स्कूल शिक्षा विभाग ने साल भर पहले पोड़ी उपरोड़ा में पदस्थ विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकपाल जोगी सहित बीईओ कार्यालय के अंतर्गत आने वाले छह कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। लंबे समय से काम पर अनुपस्थित कर्मचारियों से लेने देन कर पदभार देने के मामले में यह कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि में सभी कर्मचारियों का कार्यक्षेत्र संभागीय संयुक्त संचालय कार्यालय होगा।

पोड़ी उपरोड़ा में पदस्थ रहे बीईओ लोकपाल जोगी तत्कालिन पर कई शिकायतें आई। उन पर लगे विभिन्न आरोपों के अनुसार उन्होने सहायक शिक्षक संतोष मानिकपुरी को साढ़े पांच साल तक गायब रहने के बाद ज्वाइन करवा लिया। इस मामले में उच्च अधिकारियों से अनुमति तक नहीं ली गयी। वहीं सहायक शिक्षक विष्णु कुमार भी नौ महीने तक स्कूल से गायब रहे, जिन्हें उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाए बगैर बीईओ जोगी ने मनमाने तरीके से ज्वाईन करा लिया। यही नहीं एक भृत्य बहादुर राम को 72 महीने का अवकाश स्वीकृत कर दिया गया और

उसका वेतन निकाला गया। उसी तरह एक अन्य भृत्य बिसुराम भी मार्च 2021 से अप्रैल 2022 तक अनुपस्थित था, लेकिन उसका वेतन आहरण किया गया। यही इसी तरह के 12 अलग-अलग मामलों की शिकायत हुई। जिसमें 23 लाख 29 हजार रूपये की गड़बड़ी शामिल था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राज्य स्कूल शिक्षा विभाग ने संभाग स्तर पर जांच टीम गठित की थी। मामले में उन पर लगे आरोप सही पाए गए। इस पर स्कूल शिक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए लोकपाल जोगी पूर्व बीईओ उपरोड़ा कोरबा के अलावा कार्य में सहयोग देने वाले प्रवीण कुमार साहू व्याख्याता, प्रभारी प्राचार्य शाकउमावि पसान, बृजेंद्र कुमार वानी कंप्यूटर आपरेटर, रामेश्वर प्रसाद बनवा प्रधान पाठक, माध्यमिक आश्रम शाला कोनकोना, प्रदीप कुमार मिश्रा सहायक ग्रेड तीन व छवि कुमार गहिरवार सहायक ग्रेड तीन को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सर्व अन्य पिछड़ा वर्ग समाज ने कराया कांकेर बंद

कांकेर। सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने बस्तर संभाग बंद का आह्वान किया है। जिसके मद्देनजर आज पूरा कांकेर जिला बंद है। व्यापारियों ने समाज की मांगों का समर्थन करते हुए दुकानें बंद रखी हैं। समाज का कहना है कि उनकी सात सूत्रीय मांगे प्रमुख हैं। छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग समाज की सर्वाधिक 52 प्रतिशत आबादी होने के बाद भी 27 प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया जा रहा है। जिससे समाज काफी आक्रोशित है। इसके साथ ही पिछड़ा वर्ग स्वतंत्र मंत्रायल स्थापना की मांग, 5वीं अनुसूची में शामिल करने सहित अन्य मांगे शामिल हैं। सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने पूर्व में भी इन सभी सात सूत्रीय मांग को लेकर धरना प्रदर्शन और आंदोलन के माध्यम कई बार मुख्यमंत्री, राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा है। लेकिन सरकार समाज की मांगों को अनसुना कर रही है। इसलिए बस्तर संभाग बंद करके छत्तीसगढ़ सरकार तक संदेश पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद भी अगर सरकार ने नहीं सुनी तो सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

कनकेश्वर धाम में गिरी आकाशीय बिजली

कोरबा। कोरबा के ग्राम कनकी में उस वक्त

हड़कंप मच गया जब कनकेश्वर धाम में आकाशीय बिजली गिरने के कारण आधा दर्जन प्रवासी पक्षियों की मौत हो गई। वहीं, मेले में मनिहारी की दुकान लगाने पहुंचा एक व्यापारी झुलस गया। जानकारी के मुताबिक, कोरबा के प्रसिद्ध कनकेश्वर धाम में आकाशीय बिजली गिरने से करीब आधा दर्जन प्रवासी पक्षियों की मौत हो गई। वहीं, इस घटना में एक व्यापारी भी झुलस गए हैं। जिसे उपचार के लिए शहर के निजी अस्पाल में भर्ती किया गया है। सावन के पवित्र महिने के दौरान मंदिर परिसर में मेला लगा हुआ है जहां अचानक मौसम का मिजाज बदला और बारिश शुरु हो गई। इस दौरान तेज आवाज के साथ बादल गरजे और पेड़ों पर बैठे पक्षियों पर बिजली गिरी जिससे कई पक्षियों की मौत हो गई। वहीं मनिहारी की दुकान लगाने वाले करतला निवासी नीलकंठ केंवट की दुकान में आग लग गई और वो झुलस गया।

नीरज जैन की जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर। इंदिरा प्रियदर्शिनी सरकारी बैंक

घोटाले के आरोपी नीरज जैन की अग्रिम जमानत अर्जी हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। मालूम हो कि रायपुर के न्यायिक मजिस्ट्रेट से अनुमति लेकर पुलिस ने 17 साल पुराने इस बैंक घोटाले की नए सिरे से जांच शुरू की है जिसमें उसने पाया है जगदलपुर के नीरज जैन ने 12 फर्जी कंपनियां बनाकर बैंक से करोड़ों रुपए का लोन उठाया और बाद में कंपनियां बंद कर दी। पुलिस ने पूछताछ के लिए जब उसके आवास पर दबिश दी तो वह गायब मिला। इसके बाद उसके घर पर नोटिस चस्पा कर दी गई। उसने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी लगाई थी। साथ ही यह मांग की थी कि नए सिरे से जांच की कार्रवाई को रोका जाए। हाई कोर्ट ने जांच की कार्रवाई को रोकने से मना कर दिया और कहा कि यह जांच कोर्ट के आदेश पर ही हो रही है। साथ ही उसकी अग्रिम जमानत तर्ज भी खारिज कर दी।

युकांइयों ने भूपेश है तो भरोसा है हितग्राही कार्ड बांटा

नगरी। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं को लोगों के बीच पहुंचाने के लिए युवा कांग्रेस द्वारा संकल्प शिविर नगरी में भूपेश है तो भरोसा है हितग्राही कार्ड का वितरण किया गया। हितग्राही कार्ड का वितरण करते हुए राज्य शासन के योजनाओं की जानकारी दी गई। युवा नेता प्रमोद कुंजाम ने कहा कि प्रदेश मे 2 अगस्त से भूपेश है तो भरोसा है हितग्राही कार्ड अभियान का शुभारंभ किया गया है।कॉंग्रेस के संकल्प शिविर मे 1000 कार्ड भरा गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार की योजनाओं को जनता के बीच पहुंचाने के लिए घर-घर दस्तक देकर हितग्राही कार्ड का वितरण युवा कॉंग्रेस द्वारा किया जा रहा है। अभियान में नदीम अली प्रदेश सचिव, सोनू चौहान विधानसभाध्यक्ष, अभिषेक बंजारे, आदित्य ठाकुर, नीलकमल साहू, सतीश साहू, खेमराज साहू, सत्यम भट्ट, बीरबल नागरची, मनीष कुंजाम, गणपत यादव, विकाश ठाकुर, इशू अली, शिवराज मरकाम, प्रदीप कौर, कौशल नागेश,लोकेश साहु आदि उपस्थित थे।

कोयला परिवहन में लगे भारी वाहनों को बंद कराने की मांग

कोरबा। जिले के करतला ब्लॉक में तहसील बरपाली के ग्राम सरगबुंदिया में संचालित हो रहे कोयला साइडिंग और कोयला परिवहन में लगे भारी वाहनों को बंद कराने की मांग की गई है। गुरुवार को दर्जनों ग्रामीणों ने कलेक्टर सौरभ कुमार के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की। शुक्रवार को कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग के निरीक्षक खिलावन कुवार्य ने कोल साइडिंग पर जाकर निरीक्षण किया। खनिज निरीक्षक ने मौके की जांच में पाया कि सरगबुंदिया रेलवे स्टेशन के स्टाक यार्ड में कोयला रखा हुआ है। स्टाक यार्ड से कोयला को ट्रेलर में लोड कर अन्यत्र परिवहन किया जाता है जो मौके पर परिलक्षित हुआ। ग्राम सलिहाभांठा व डोंगरीभाठा का भी मुआयना किया गया जिनकी दूरी कोयला स्टाक यार्ड से क्रमशः 550 व 1000 मीटर है। खनिज निरीक्षक ने परिवहन मार्ग का भी निरीक्षण किया। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना की सडक़ है। सडक़ पर कोयला के डस्टए धूल पाया गया जो कि वाहनों के चलने से वातावरण में उड़ता है।

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर करना सुनिश्चित करें : डहरिया

■ **नगरीय प्रशासन मंत्री ने ली अधिकारियों की बैठक**

कोरबा। नगरीय प्रशासन एवं श्रम तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्माण से संबंधित कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ डहरिया ने निर्माण कार्यों में लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही की बात कही। उन्होंने जिले में स्कूलों से सम्बंधित कार्यों में प्रगति नहीं दिखने पर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता एंटोनी तिर्की और जिला शिक्षा अधिकारी जी पी भारद्वाज को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार योजनाओं की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में मंत्री डॉ डहरिया ने नगरीय प्रशासन अंतर्गत अधोसंरचना,

प्रधानमंत्री आवास, मोबाइल मेडिकल यूनिट, राजीव आश्रय आवास की जानकारी ली। उन्होंने निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि अधोसंरचना अंतर्गत कार्यों को शीघ्र पूरा करें। उन्होंने निगम अंतर्गत खम्बे और लाइट, सामुदायिक भवन, दुकान निर्माण तथा जमीन आबंटन और आधिपत्य, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, सफाई व्यवस्था, पेयजल, ओडीएफ की समीक्षा की। मंत्री डॉ डहरिया ने 15वें वित्त अंतर्गत उपलब्ध राशि और प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति के निर्देश दिए। उन्होंने श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं, संगठित और असंगठित कर्मकारों के संचालित योजनाओं की समीक्षा की और सहायक श्रमायुक्त को निर्देशित किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंद हितग्राहियों तक पहुँचा कर उन्हें लाभान्वित करें। उन्होंने पंजीयन की स्थिति और मोबाइल नम्बर दर्ज करने में आ रही समस्याओं को भी निराकरण के निर्देश दिए। मंत्री डॉ डहरिया ने जिले में शिक्षा व्यवस्था, स्कूलों में शिक्षकों की जानकारी ली और निर्देशित किया कि विद्यार्थियों के दर्ज संख्या के आधार पर पर्याप्त शिक्षक हो, यह सुनिश्चित किया जाए। आदिवासी क्षेत्र में शिक्षक की कमी को पूरा करने के साथ अध्यापन व्यवस्था भी सुचारू रूप से संचालित हो। उन्होंने स्कूल सहित अन्य संस्थाओं के छोटे-छोटे निर्माण कार्यों की प्रगति के लिए निरंतर निरीक्षण के निर्देश देते हुए समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की भी समीक्षा की और घरों तक पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य पूर्ण होने के पश्चात भी पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाने वाले स्थानों पर जाँच के निर्देश दिए। मंत्री ने जिले में खाद्य विभाग अंतर्गत राशनकार्ड, उपलब्ध खाद्यान्न, राजस्व विभाग अंतर्गत लंबित प्रकरणों, वन अधिकार पट्टे के वितरण की समीक्षा की और समय पर पूर्ण करने के साथ आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में राजस्व, आपदा प्रबंधन, पंजीयन,पुनर्वास एवं स्टाम्प(वाणिज्यिक कर) मंत्री जय सिंह अग्रवाल, सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, विधायक पाली तानाखार मोहित राम, रामपुर विधायक ननकीराम कँवर, महापौर राजकिशोर प्रसाद आदि उपस्थित थे।

कार्यकर्ताओं को पुलिस कर रही प्रताड़ित सामूहिक इस्तीफा की दी चेतावनी

कोरबा। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा और प्रभारी मंत्री डा शिवकुमार डहरिया के समक्ष पार्षदों का दर्द झलक उठा। 27 कांग्रेस पार्षदों ने मुलाकात कर नगर निगम के एमआईसी सदस्य व पार्षद अमरजीत सिंह के खिलाफ हत्या का प्रयास का झूठा मामला दर्ज करने का दावा करते हुए उसके समर्थन में अपनी बात रखते हुए ज्ञापन सौंपा। पार्षदों ने कहा है कि साथी पार्षद अमरजीत और उनके स्वजनों को लगातार प्रताड़ित करने व इससे राहत नहीं मिलने पर अपने पद से इस्तीफा देने की बात भी कही। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी भी की।

पंचवटी विश्रामगृह पहुंची प्रभारी सैलजा से मुलाकात कर पार्षदों ने बताया कि चार माह पहले कुसमुंडा खदान में हुई एक मारपीट की घटना में बेवजह पार्षद अमरजीत का नाम शामिल कर दिया गया। जबकि घटना के वक्त नगर निगम कार्यालय में आयोजित एमआइसी की बैठक में मौजूद थे। पुलिस ने अमरजीत के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर झूठे मामले में फंसाया गया है। पुलिस ने बिना जांच किए उनका नाम इस घटनाक्रम से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि अपराध पंजीबद्ध करने के बाद से पुलिस लगातार कुसमुंडा स्थित ब्लाक कांग्रेस कार्यालय और पार्षद अमरजीत के निवास में दबिश दे रही है। साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके स्वजनों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही पार्षद अमरजीत को इस मामले में राहत देते हुए झूठे मामले से नाम हटाया जाए। प्रभारी सैलजा मिलने के लिए मरवाही विधानसभा क्षेत्र से पदाधिकारी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि यहां अंदर जाने की बात पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष व सभापति श्यामसुंदर सोनी के साथ उनका विवाद होने के साथ ही धक्का-मुक्की हुई।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका अगले सप्ताह 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए 22 से 24 अगस्त तक दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में रहेंगे। यहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनकी मुलाकात तय मानी जा रही है। पीएम मोदी और जिनपिंग के बीच बैठक से पहले भारत और चीन में सैन्य कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई है। बैठक का मकसद पूर्वी लद्दाख में दौलत बेग ओल्डी और चुशुल समेत दो स्थानों पर जारी गतिरोध को सुलझाना था। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स के पांच सदस्य देश हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक चौथाई हिस्सेदारी रखते हैं। जोहान्सबर्ग में 22-24 अगस्त को होने वाला शिखर सम्मेलन 2019 के बाद पहली बार सभी नेता एक मंच पर बैठेंगे।

अमेठी राहुल की स्वाभाविक सीट लेकिन वायनाड ने संकट में दिया उनका साथ : रावत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा है कि अमेठी राहुल गांधी की स्वाभाविक सीट है, लेकिन कांग्रेस सांसद वायनाड से भी चुनाव लड़ेंगे क्योंकि उन्होंने संकट के समय में उनका साथ दिया था। यह कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के सुझाव के बाद आया है कि अगर प्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़ती हैं, तो पीएम नरेंद्र मोदी सीट हार जाएंगे। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी को अमेठी से लड़ने की चुनौती दी। रावत के बयान से संकेत मिलता है कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के अमेठी और केरल के वायनाड दोनों जगहों से 2024 का चुनाव लड़ सकते हैं। रावत ने कहा, अमेठी राहुल गांधी की स्वाभाविक सीट है लेकिन वह वायनाड से भी लड़ेंगे क्योंकि संकट के समय वायनाड ने उनका साथ दिया था।

भ्रष्टाचार विरोधी शाखा से खुद को बचाने के लिए केजरीवाल ताकत चाहते हैं : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। संसद के मानसून सत्र के दौरान संदीप दीक्षित ने दिल्ली सेवा अध्यादेश को सही बताते हुए इसका विरोध न करने की बात कही थी। बीते दिनों उन्होंने केजरीवाल सरकार को भ्रष्ट कहा था और अब कहा है कि दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की जरूरत नहीं है। संदीप दीक्षित शनिवार को कहा, एक समय था जब हमें लगता था कि दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना ही चाहिए, लेकिन जिस तरह से अब दिल्ली में काम हो रहे हैं, केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच जिस तरह का सत्ता विभाजन है, उसमें ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं है...भ्रष्टाचार विरोधी शाखा से खुद को बचाने के लिए केजरीवाल तबादलों, पोस्टिंग के लिए जिस तरह की शक्ति चाहते हैं, वह नैतिक नहीं है।

सितंबर तक बदल दिया जाएगा महाराष्ट्र का मुख्यमंत्रीः वडेट्टीवार

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाला राकांपा गुट महाराष्ट्र सरकार में सत्तारूढ़ भागीदार हैं। अजित पवार पिछले महीने शरद पवार द्वारा स्थापित एनसीपी से अलग हो गए और सरकार में शामिल हो गए। इस बीच यहां पत्रकारों से बात करते हुए महाराष्ट्र के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि महाराष्ट्र में कुछ ही हफ्तों में राज्य सरकार में बड़े बदलाव होंगे। महाराष्ट्र के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने शनिवार को कहा कि राज्य में मुख्य कुर्सी (मुख्यमंत्री) को खतरा है और सितंबर तक इसमें बदलाव हो जाएगा। मीडिया से बात करते हुए वडेट्टीवार ने कहा, महाराष्ट्र में जो हो रहा है वो ठीक नहीं है...ये सरकार नहीं चलेगी...महाराष्ट्र में मुख्य कुर्सी (सीएम) को खतरा है। मैं कह सकता हूं कि सितंबर तक मुख्य कुर्सी में बदलाव हो जाएगा।

ईडी ने सोरेन को फिर से भेजा नोटिस, अब 24 को बुलाया

नईदिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को नया समन जारी किया है। एएनआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने कहा कि झारखंड के सीएम सोरेन को 24 अगस्त को कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच में शामिल होने के लिए कहा गया है। सोरेन को ईडी ने इससे पहले 14 अगस्त को बुलाया था, हालांकि, वह केंद्रीय एजेंसी में शामिल नहीं हुए थे। जांच में यह हवाला दिया गया कि वह राज्य में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी में व्यस्त थे। सोरेन ने अपने पत्र में लिखा था कि आपकी 14 अगस्त की तारीख का चयन अधोहस्ताक्षरी (हेमंत सोरेन) के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। आप और आपके राजनीतिक आका इस बात से पूरी तरह परिचित हैं कि झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री होने के नाते, अधोहस्ताक्षरी 15 अगस्त 2023 को भारत गणराज्य के 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाले हैं।

जी20 डिजिटल इकोनॉमी मंत्रियों की बैठक में बोले प्रधानमंत्री

प्राचीन परंपराओं से लेकर आधुनिक तकनीक तक भारत में सब कुछ है : मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 डिजिटल इकोनॉमी मंत्रियों की बैठक को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए कहा जन धन, आधार और मोबाइल फोन ने वित्तीय लेन-देन में क्रांति ला दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा हम कृत्रिम मेघा आधारित अनुवाद मंच भाषिणी तैयार कर रहे हैं, यह भारत की विविध भाषाओं के डिजिटल समावेश को सहयोग देगा। भारत का डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचा वैश्विक चुनौतियों के लिए सुरक्षित और समावेशी समाधान पेश करता है।

जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भारत दर्जनों भाषाओं वाला एक विविधतापूर्ण देश है। यहां दुनिया के सभी धर्म पाए जाते हैं और असंख्य सांस्कृतिक प्रथाओं का पालन होता है। प्राचीन परंपराओं से लेकर आधुनिक तकनीक तक भारत में सभी के लिए कुछ न कुछ है। इतनी विविधताएं होने के कारण भारत समाधान के लिए एक आदर्श परीक्षण प्रयोगशाला है। जो समाधान यहां सफल होता है उसे दुनिया में कहीं भी आसानी से लागू किया जा सकता है। हम अपना अनुभव दुनिया के साथ साझा करने के लिए तैयार हैं।

मंत्रिस्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भारत दुनिया के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है। भारत में सफल हुए किसी भी समाधान को दुनिया में कहीं भी आसानी से लागू किया जा सकता है। जैसे-जैसे डिजिटल अर्थव्यवस्था बढ़ेगी इसके सामने सुरक्षा संबंधी खतरे आएंगे, चुनौतियां आएंगी। सुरक्षित डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए सर्वसम्मति बनाए जाने की जरूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा जी20 में हमारे पास समावेशी, समृद्ध और सुरक्षित वैश्विक डिजिटल भविष्य की नींव रखने का एक अनूठा अवसर है। कोई पीछे नहीं छूटे यह सुनिश्चित करने के लिए हमने ऑनलाइन एकीकृत डिजिटल बुनियादी ढांचा 'इंडिया स्टैक्स' बनाया है।

जी20 डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रियों की बैठक में अपने आभासी संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा 45% से अधिक वैश्विक वास्तविक समय भुगतान भारत में होते हैं। CoWIN पोर्टल ने भारत के टीकाकरण अभियान का समर्थन किया...हम भाषिनी एक एआई-संचालित भाषा अनुवाद मंच बना रहे हैं। यह भारत में सभी विविध भाषाओं में डिजिटल समावेशन का समर्थन करेगा। आज भारत में 850 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं जो दुनिया में सबसे सस्ती डेटा लागत का आनंद ले रहे हैं। हमने शासन को और अधिक कुशल, समावेशी, तेज़ और पारदर्शी बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया है।

उन्होंने कहा, हमारा अद्वितीय डिजिटल पहचान प्लेटफ़ॉर्म आधार हमारे 1.3 बिलियन से अधिक लोगों को कवर करता है। हमने भारत में वित्तीय समावेशन में क्रांति लाने के लिए रत्न त्रिमूर्ति जन-धन बैंक खातों, आधार और मोबाइल की शक्ति का उपयोग किया है।

उन्होंने आगे कहा, हम मानवता के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों के लिए एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर सकते हैं। इसे हमसे केवल चार सी की आवश्यकता है-दृढ़ विश्वास, प्रतिबद्धता, समन्वय और सहयोग। इसके बाद उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे भारत अपने ज्ञान और निष्कर्षों को साझा करके दुनिया की मदद करने के लिए तैयार है।

जनधन खातों की संख्या 50 करोड़ के पार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा जन धन, आधार और मोबाइल फोन ने वित्तीय लेन-देन में क्रांति ला दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा हम कृत्रिम मेघा आधारित अनुवाद मंच भाषिणी तैयार कर रहे हैं, यह भारत की विविध भाषाओं के डिजिटल समावेश को सहयोग देगा। भारत का डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचा वैश्विक चुनौतियों के लिए सुरक्षित और समावेशी समाधान पेश करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनधन खातों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंचने को एक अहम पड़ाव करार दिया और इस उपलब्धि की सराहना की। प्रधानमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, यह देखकर खुशी हुई कि इनमें से आधे से अधिक खाते महिलाओं के हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि देश में जनधन खातों की कुल संख्या 50 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है, जिनमें से 56 फीसदी खाते महिलाओं के हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इनमें से लगभग 67 फीसदी खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। इस उपलब्धि को एक अहम पड़ाव करार देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, यह देखकर खुशी हो रही है कि इनमें से आधे से अधिक खाते हमारी नारी शक्ति के हैं। 67 फीसदी खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि वित्तीय समावेश का लाभ हमारे देश के हर कोने तक पहुंचे। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, जनधन खातों में कुल जमा राशि 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि इन खातों के साथ लगभग 34 करोड़ रुपे कार्ड मुफ्त जारी किए गए हैं। मोदी सरकार ने 2014 में वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने के लिए जनधन बैंक खाते खोलने के वास्ते बड़े पैमाने पर राष्ट्रव्यापी अभियान प्रारंभ किया था, जिसका उद्देश्य प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) सहित कई वित्तीय सेवाओं को गरीबों के लिए सुलभ बनाना था।

चुनावी फायदे के लिए हो रहा जी20 का इस्तेमाल : कांग्रेस

जनता का ध्यान भटकाने के लिए इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं पीएम

नईदिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जी-20 शिखर सम्मेलन के अवसर का उपयोग चुनावी फायदे के लिए कर रही है। जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन 9-10 सितंबर को दिल्ली में होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जी-20 का गठन 1999 में हुआ था। 19 देश और यूरोपीय संघ इसके सदस्य हैं। इसके गठन से लेकर अब तक बारी-बारी से 17 देशों में जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ है।

अब भारत का नंबर है। लेकिन यहां इसे लेकर जिस तरह का चुनावी अभियान चलाया जा रहा है और माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, वैसा किसी भी दूसरे देश में नहीं हुआ।'' उन्होंने दावा किया कि वास्तव में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के ज़रूरी मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं। इसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने लंबा-चौड़ा ट्वीट किया है।

उन्होंने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि इसी नई दिल्ली में 1983 में 100 से अधिक देशों का गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन और उसके बाद कॉमनवेल्थ देशों का शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित हो चुका है। लेकिन तब की सरकार ने चुनावी फ़ायदे के लिए उन मौकों का इस्तेमाल नहीं किया। जयराम रमेश ने कहा कि फिर मुझे लालकृष्ण आडवाणी की वह बात याद आ रही है। 5 अप्रैल 2014 को उन्होंने नरेंद्र मोदी को एक शानदार इवेंट मैनेजर बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जी20 देशों से जनता की भलाई के लिए प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता और नवाचार को सभी के वास्ते सुलभ करने का आग्रह किया।

अगर प्रियंका गांधी वाराणसी सीट से चुनाव लड़ती हैं तो मोदी गुजरात वापस चले जाएंगे : राशिद अल्वी

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा है कि अगर प्रियंका गांधी वाड्रा अगले साल वाराणसी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ती हैं तो पीएम नरेंद्र मोदी गुजरात वापस चले जाएंगे और फिर कभी नहीं आएंगे। अल्वी ने यह भी कहा कि अगर राहुल गांधी अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ते हैं तो स्मृति ईरानी की जमानत जब्त हो जाएगी। हाल ही में, कई विपक्षी नेता 2024 के आम चुनावों के दौरान वाराणसी से प्रियंका और पीएम मोदी के बीच संभावित लड़ाई का संकेत दे रहे हैं। अपने बयान में राशिद अल्वी ने कहा,...अगर राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते हैं, तो स्मृति ईरानी अपनी जमानत भी खो देंगी, वह अमेठी छोड़ सकती हैं, लेकिन मैं बीजेपी से अनुरोध करता हूं, उन्हें भागने न दें...अगर प्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़ेंगी, तो पीएम मोदी वह गुजरात वापस जाएंगे और वाराणसी से चुनाव नहीं लड़ेंगे। आपको बता दें कि इस तरह की चर्चा तब शुरू हुई जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को दावा किया कि पार्टी सांसद राहुल गांधी 2024 का लोकसभा चुनाव अमेठी से लड़ेंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

आयरलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के इरादे उतरेगी भारत

नईदिल्ली। कप्तान जसप्रीत बुमराह की शानदार वापसी से उत्साहित भारतीय टीम रविवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। भारत इसके साथ ही बेहतर मौसम की भी उम्मीद करेगा जिससे उसके युवा बल्लेबाजों अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा। बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण ने श्रृंखला के पहले मैच में आयरलैंड को सात विकेट पर 139 रन ही बनाने दिए। लेकिन भारतीय पारी में बारिश के कारण उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों को खेलने का मौका नहीं मिला। भारतीय टीम ने जब 6.5 ओवर में दो विकेट पर 47 रन बनाए थे कभी बारिश आ गई जिसके कारण आगे का खेल नहीं हो पाया। भारत ने यह मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से दो रन से जीता।

भविष्य के भारतीय बल्लेबाजों की सूची में शामिल शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाज उम्मीद कर रहे होंगे कि उन्हें क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने का मौका मिलेगा। पहले मैच में अच्छी शुरुआत के बाद आउट होने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बड़ी पारी खेलने का प्रयास करेंगे जबकि पहली गेंद पर आउट होने वाले तिलक वर्मा भी वेस्टइंडीज दौरे की अपनी फॉर्म बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। भारत के शीर्ष क्रम में अधिकतर वही खिलाड़ी हैं जिन्होंने हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में खेल रही भारतीय टीम की बल्लेबाजी में विकेटकीपर संजू सैमसन ही कुछ अनुभवी हैं। चोटों के कारण परेशान रहे ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने का अनुभव रखते हैं और बुमराह बल्लेबाजी में उनकी सेवाएं भी ले सकते हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

महिंद्रा ने वायरिंग में दिक्कत आने पर लगभग एक लाख एक्सयूवी700 वापस मंगाईं

नईदिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल एक्सयूवी700 के इंजन में वायरिंग (तार) संबंधी दिक्कत का परीक्षण करने के लिए लगभग एक लाख गाड़ियां वापस मंगाई हैं। कंपनी ने यह जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने आठ जून, 2021 से 28 जून, 2023 तक बनीं 1,08,306 एक्सयूवी700 के इंजन में तारों का परीक्षण करने के लिए वापस मंगाया है। कंपनी ने वायरिंग में घर्षण से कट लगने के संभावित खतरे के चलते यह कदम उठाया है। एमएंडएम ने कहा कि साथ ही, 16 फरवरी, 2023 से पांच जून 2023 तक बनीं 3,560 एक्सयूवी400 का भी परीक्षण किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि सभी ग्राहकों के लिए निरीक्षण और उसके बाद सुधार निःशुल्क किया जाएगा। ग्राहकों से कंपनी द्वारा व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया जाएगा।

टाइटन ने कैरटलेन की अतिरिक्त 27.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नईदिल्ली। ब्रांडेड आभूषण निर्माता टाइटन ने अपनी अनुषंगी कंपनी कैरटलेन में 27.18 प्रतिशत हिस्सेदारी और खरीद ली है। टाइटन ने शनिवार को बताया कि अब कैरटलेन में उसकी कुल हिस्सेदारी 98.28 प्रतिशत हो गई है। टाटा समूह के नियंत्रण वाली कंपनी ने शनिवार को शेयर खरीद समझौता करते हुए कैरटलेन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड और उनके पारिवारिक सदस्यों से 91.90 लाख इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण कर लिया। कंपनी ने कहा, 'कैरटलेन टाइटन की अनुषंगी है और उपरोक्त शेयर खरीद के बाद कैरेटलेन में कंपनी की शेयरधारिता 71.09 प्रतिशत से बढ़कर 98.28 प्रतिशत हो जाएगी।' सौदे की कीमत पर टाइटन ने कहा कि वह कैरटलेन के 21.18 प्रतिशत इक्विटी शेयर के लिए वह 4,621 करोड़ रुपये चुकाएगी। कैरटलेन ट्रेडिंग एक गैरसूचीबद्ध कंपनी है और बीते वित्त वर्ष में उसका कारोबार 2,177 करोड़ रुपया रहा।

टीपीसीआई का वर्ल्ड फर्नीचर कंफेडरेशन के साथ गठजोड़

नईदिल्ली। भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) ने शनिवार को कहा कि उसने विश्व फर्नीचर परिसंघ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत फर्नीचर बनाने के लिए देश में आधुनिक औद्योगिक क्लस्टर स्थापित किए जाने हैं। फर्नीचर के लगभग 250 अरब अमेरिकी डॉलर के वैश्विक बाजार में भारत की बहुत कम हिस्सेदारी है। यूरोपीय संघ (ईयू) और चीन लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर का फर्नीचर निर्यात करते हैं। सिर्फ अमेरिका 72 अरब अमेरिकी डॉलर के फर्नीचर का आयात करता है और वह सबसे बड़ा आयातक है। टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि भारत के लिए निर्यात को बढ़ाने और आयात पर निर्भरता को कम करने का एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि इस एमओयू के जरिए दुनिया के प्रमुख फर्नीचर विनिर्माताओं के साथ जुड़ने का मौका मिलेगा।

अदाणी समूह का बाजार मूल्यांकन 45,200 करोड़ बढ़ा

नईदिल्ली। उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह की कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में शुक्रवार को 45,200 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। इसका कारण वैश्विक निवेशकों के विश्वास जताने पर समूह की सभी 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में आई तेजी है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, अदाणी समूह की 10 कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन शुक्रवार को 10.96 लाख करोड़ रुपये हो गया। गुरुवार को कारोबार की समाप्ति पर सभी कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 10.51 लाख करोड़ रुपये था। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि शेयर की कीमतों में वृद्धि वैश्विक निवेशकों की रुचि बढ़ने के कारण है। लगता है कि निवेशकों ने डेलॉयट के हालिया मुद्दे को पीछे छोड़ दिया है।एक घरेलू ब्रोकरेज कंपनी के शोध प्रमुख ने कहा, पिछले कुछ दिनों में अदाणी समूह के शेयरों में मजबूती देखने को मिली।

अर्थव्यवस्था की ऊंची छलांग में भारत के लोगों ने क्या खोया, क्या पाया?

अनिल तिवारी

भारत विश्व स्तर पर न केवल तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, बल्कि सबसे अधिक अरबपतियों वाला तीसरा देश भी बन चुका है। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 735 अरबपतियों के साथ अमेरिका पहले स्थान पर है जबकि 495 के आंकड़े के साथ चीन दूसरे स्थान पर काबिज है। भारत 169 अरबपतियों की संख्या के साथ दुनिया का तीसरा सबसे अधिक अरबपतियों वाला देश हो चुका है। लेकिन यक्ष प्रश्न है कि अर्थव्यवस्था के ऊंचे पायदान पर पहुंचने से क्या आम भारतीय के हालात बेहतर हुए हैं या यह सिर्फ आंकड़ेबाजी भर है? भारतीय अर्थव्यवस्था पर आप जितनी चाहे उतनी भीषण बहस कर सकते हैं। एक पक्ष होगा जो इसके लाभ गिनवाते समय आपके समक्ष आंकड़ों का अंबार लगा देगा तो दूसरा पक्ष भी उतनी ही मजबूती और तार्किक क्षमता के आधार पर यह साबित करने का प्रयास करेगा कि हमारी तमाम मुसीबत का एकमात्र कारण पूंजीपतियों को समर्पित हमारी आर्थिक नीतियां हैं। लेकिन असली सच इन दोनों विचारों के बीच कहीं छिपा है।

नीति आयोग के हालिया आंकड़ों पर भरोसा करें तो हमारे देश में 13.5 करोड़ से अधिक लोग अब गरीब नहीं रहे। गरीबी बढ़ने की रफ्तार भी 47% से घटकर 44% तक आ चुकी है। आंकड़ों में यह गिरावट सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में बताई गई है, जिसके मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी 32.59% से घटकर अब मात्र 19.28% रह गई है। वही शहरों में यह दर 8.65% से घटकर 5.27% पर आ गई है। लेकिन दूसरी तरफ इसी साल जनवरी महीने में आई ऑक्सफैम की रिपोर्ट भारत की गरीबी को लेकर जो कहानी बयां

कर रही है, वह नीति आयोग के इन आंकड़ों से अलग है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान समय में दुनिया में सबसे ज्यादा गरीब भारत में है। लगभग 30 करोड़ लोग तो ऐसे हैं जो अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं। लेकिन अचरज की बात यह है कि ठीक इसी समय भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है। देश में अरबपतियों की संख्या में 63% का बढोत्तरी हुई है। एक साथ गरीबी के घटने और अमीरी के बढ़ने के इस आंकड़े पर गहराई से नजर दौड़ाते हैं तो कुछ और ही सच्चाई सामने आती है। विश्व बैंक की पॉवर्टी एंड शेयर्ड प्रोस्पेरिटी 2022 की रिपोर्ट के अनुसार बीते 2 वर्षों में देश के 5.6 करोड़ लोग अपनी निम्न मध्य वर्ग की हैसियत से फिसल कर गरीबी रेखा के नीचे पहुंच गए हैं। इस दौरान दुनिया भर में गरीबों की लगभग 8 करोड़ संख्या बढ़ी है, उनमें से 80% केवल भारत के है। विश्व असमानता रिपोर्ट के मुताबिक देश के कमजोर वंचित परिवारों की नई पीढ़ी का भविष्य तेजी से असुरक्षित हो रहा है। सिर्फ 10% लोग राष्ट्रीय आय का 57% हिस्सा हजम कर जा रहे हैं, जबकि 10% आबादी के सिर्फ एक प्रतिशत अमीर 22% आय के मालिक बन चुके हैं, जिससे राष्ट्रीय आय में निचले स्तर के 50% की हिस्सेदारी सिमट कर सिर्फ 13 प्रतिशत रह गई है। ऐसे में आंकड़ों में चाहे जो दावे किए जा रहे हैं, लेकिन देश में बसावटों का ढांचा गांव और शहर के दो भागों में बट गया है, जिनके बीच आधारभूत संरचनाओं में भारी अंतर है।

हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में हमें 60 वर्ष लग गए लेकिन इसे 3 गुना हम महज एक दशक में हो गए हैं। छोटे-मोटे राष्ट्रों की जितनी जनसंख्या होती है उससे ज्यादा तो हर वर्ष हमारे देश में मोबाइल का कनेक्शन बढ़ जाता है। पहले जो स्थित रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर होती थी अब उससे ज्यादा भीड़ तो हवाई अड्डों पर होती है। गरीबी, लाचारी और बेबसी से जूझ रही इस बड़ी आबादी को अर्थव्यवस्था का सेंसेक्स भले 65 हजार के पार पहुंच गया हो, जीडीपी बढ़ने की दर 7 से 8% की हो गई हो, देश में अरबपतियों की संख्या तेज रफ्तार से बढ़ रही हो लेकिन यह सारी बातें आम गरीब के जले पर नमक छिड़कने जैसा ही होता है क्योंकि जो हमारी आर्थिक नीतियां हैं वह चिल्लाकर कह रही हैं कि अमीर और अमीर बनता है और गरीब गरीब ही रहता है।

प्रियंका की जीत के दावे करने वाले नेता कांग्रेस से दुश्मनी निकाल रहे

नीरज कुमार दुबे

अभी तक तो विपक्षी दलों के बीच होड़ मची थी कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद से हटाना है। लेकिन अब यह होड़ इस बात पर लग गयी है कि वाराणसी संसदीय क्षेत्र से नरेंद्र मोदी को संसद नहीं पहुँचने देना है। विपक्षी गठबंधन इंडिया चाहता है कि वाराणसी में नरेंद्र मोदी को इस तरह घेरा जाये कि वह अपने चुनाव क्षेत्र में प्रचार करने तक सीमित होकर रह जायें। लेकिन ऐसा सोचने वाले शायद जानते नहीं कि पिछली बार भी नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से सिर्फ नामांकन ही दाखिल किया था वहां उनके लिए चुनाव जनता ने लड़ा था और परिणाम भी जनता के मन की भावनाओं के पक्ष में आया था। लेकिन लोकतंत्र में किसी को भी कहीं से भी और किसी के भी खिलाफ चुनाव लड़ने का अधिकार है इसलिए वाराणसी में मजबूत विपक्षी उम्मीदवार उतारे जाने की कवायद तेज हो गयी है। इस कड़ी में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नये अध्यक्ष बनाये गये पूर्व विधायक अजय राय ने कहा है कि यदि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चाहेंगी तो उन्हें वाराणसी से जिताने के लिए पार्टी कार्यकर्ता जान लगा देंगे। लेकिन अजय राय यह नहीं बता पा रहे कि पार्टी कार्यकर्ता आयेंगे कहां से? देखा जाये तो उत्तर प्रदेश कांग्रेस का कोई भी कार्यक्रम हो तो भीड़ जुटाने के लिए पड़ोसी राज्यों से कार्यकर्ता बुलाये जाते हैं। इसके अलावा, यह भी आश्चर्यजनक है कि वाराणसी से नरेंद्र मोदी को हराने की बात वह अजय राय कर रहे हैं जोकि पिछला लोकसभा चुनाव मोदी से हार चुके हैं। यही नहीं, अजय राय लगातार दो बार से विधानसभा चुनाव भी हार रहे हैं। इसलिए सवाल उठता है कि लगातार हार का सामना कर रहे अजय राय कैसे कांग्रेस की नैय्या पार लगायेंगे? सवाल यह भी उठता है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि अजय राय को इसलिए लाया गया हो ताकि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की हार की वह जिम्मेदारी ले सकें? वैसे, प्रियंका गांधी वाड्रा के वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ने की सुगबुगाहट 2019 में भी हुई थी। लेकिन इस बार तो उनके पति रॉबर्ट वाड्रा भी कह चुके हैं कि प्रियंका गांधी को 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ना चाहिए। इसलिए माना जा रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा इस बार चुनाव लड़ेंगी। वह अमेठी अथवा रायबरेली से लड़ेंगी या वाराणसी से, यह तो समय आने पर ही पता चलेगा। जहां तक चुनाव परिणाम की बात है तो वह तय करना जनता का काम है। वैसे हम आपको यह भी बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के समय तृणमूल कांग्रेस की ओर से भी कहा जा चुका था कि यदि भाजपा और प्रधानमंत्री बंगाल में इतनी ताकत झोंकेंगे तो मोदी को हराने के लिए ममता बनर्जी वाराणसी जाएंगी। ममता बनर्जी भी वाराणसी से चुनाव लड़ेंगी या नहीं यह तो समय ही बतायेगा लेकिन उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के समय जरूर ममता बनर्जी ने अखिलेश यादव के साथ वाराणसी में समाजवादी पार्टी की रैली को संबोधित किया था और यूपी में भी खेला होबे का नारा दिया था। लेकिन ममता की अपील का मतदाताओं पर कोई असर नहीं पड़ा था। इसी प्रकार प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में वाराणसी के अलावा पूरे पूर्वांचल में जबरदस्त ताकत झोंकी थी लेकिन नतीजा शून्य रहा था। बहरहाल, अजय राय के बयान के बाद वाराणसी को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। सोशल मीडिया पर भी तमाम तरह के ट्रेंड चलने लगे हैं। लेकिन इस तरह से वाराणसी की जनता को प्रभावित नहीं किया जा सकता। वाराणसी की जनता के मन में क्या है इसका पता आपको काशी की धरती पर कदम रखते ही चल जायेगा। पिछले लोकसभा चुनावों में देखने को मिला था कि जनता को यही पता नहीं था कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ कौन-कौन उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है। प्रभासाक्षी की देशव्यापी चुनाव कवरेज के तहत वाराणसी में कई दिन बिताने पर लोगों से बातचीत में यही सामने आया था कि जनता इस बात पर अपना समय नहीं व्यर्थ करना चाहती थी कि और कौन-कौन चुनाव लड़ रहा है। वोट किधर देना है यह मतदाता 2019 में भी पहले से तय करके बैठे थे और 2024 के लिए भी तय करके बैठे हैं। इसलिए विपक्षी गठबंधन इंडिया के जो नेता दावा कर रहे हैं कि वाराणसी से मोदी को हराने में प्रियंका गांधी वाड्रा कामयाब हो जायेंगी वह एक तरह से कांग्रेस से दुश्मनी निकाल रहे हैं।

रेवड़ी कल्चर और भ्रष्टाचार का महामुकाबला

अजय बोकिल

विधानसभा चुनाव से चार माह पहले मध्य प्रदेश की राजनीति दिलचस्प दौर में है। दिलचस्प इसलिए क्योंकि सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियां रणनीतिक रूप से हॉकी की तरह पोजीशन बदलकर खेलने की कोशिश में हैं और इसी आधार पर चुनावी मैच जीतने की सौ फीसद उम्मीद पाले हुए हैं। मसलन एक तरफ जहां अमूमन धर्मनिरपेक्षता की बात करने वाली मध्यमार्गी कांग्रेस आजकल हिंदुत्व की रामनामी माला जप रही है और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर शिवराज सरकार को घेर रही है तो दूसरी तरफ तो मुफ्तखोरी के लिए आम आदमी पार्टी को कोसने वाली भाजपा खुद दोनो हाथों से रेवड़ियां बांटने में लगी है। उधर पहली बार बड़े पैमाने पर चुनाव मैदान में उतरने का दावा करने वाली आप असमंजस में है कि वो कौन सी राह पकड़े।

कांग्रेस नेता कमलनाथ को भरोसा है कि हिंदुओं का भरोसा कायम रहा और मतदाता हर हाल में बदलाव पर आमादा हुआ तो वो दोबारा सीएम बन सकते हैं। जबकि शिवराज मान रहे हैं कि बतौर सीएम उनकी यह अंतिम पारी है या नहीं यह उनकी अगुवाई में भाजपा को पांचवी बार सत्ता में लौटाने से तय होगा। इसके लिए शिवराज कोई घर खाली नहीं छोड़ रहे। सबके दाता राम की तर्ज पर समाज का हर वो कोना तलाशा जा रहा है, जो किसी भी तरह की रेवड़ी से वंचित तो नहीं रह गया है। गोया प्रदेश में रेवड़ियों की बाढ़ सी आ गई है। देनदार के आगे झोलियां कम पड़ गई हैं।

शिवराज का मानना है कि 'बूंदट्टबूंद से घट भरे' की रणनीति से 2018 के विस चुनाव में रही रणनीतिक कमियों को इस चुनाव के आते तक पूर लिया जाएगा। शायद इसी कड़ी में पार्टी में पिछले चुनाव में हारी हुई 39 सीटों पर चार महीने पहले ही प्रत्याशियों के नाम घोषित कर मनोवैज्ञानिक बढ़त ले ली है। हालांकि हारे हुओं पर फिर दांव खेलना घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है। लेकिन भाजपा बेफिकर है।

इसी बीच कांग्रेस ने शिवराज सरकार को भ्रष्ट और जनता को ठगने वाली सरकार बताते हुए 50 प्रतिशत कमीशनबाजी का कर्नाटकी दांव चला है, जिसको लेकर भाजपा भड़की हुई है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने हाल में एक चिट्ठी ट्वीट कर आरोप लगाया कि शिवराज सरकार में मंत्री अफसर 50 परसेंट कमीशन खा रहे हैं। इतना पैसा दिए बगैर ठेकेदारों को काम का भुगतान नहीं हो रहा है। राज्य में खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है। इससे बौखलाए भाजपाइयों ने प्रियंका और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के खिलाफ 41 जिलों में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी।

भाजपा का कहना है कि प्रियंका गांधी ने जिस कथित ठेकेदार की चिट्ठी के आधार पर राज्य में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है, वह फर्जी है। लिहाजा प्रियंका और कांग्रेस शिवराज सरकार पर झूठा आरोप लगा रहे हैं। इधर, जिस चिट्ठी के आधार पर प्रियंका ने ट्वीट किया वो पहली नजर में संदिग्ध लगती है, क्योंकि जिस लघु एवं मध्यम संविदाकार संघ के किसी ज्ञानेन्द्र अवस्थी द्वारा यह चिट्ठी लिखी गई है, उसका कोई पंजीयन नहीं है।

दूसरे, चिट्ठी मप्र हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित करके लिखी गई है। जबकि मुख्य न्यायाधीश जबलपुर हाईकोर्ट में बैठते हैं। ज्ञानेन्द्र अवस्थी संगठन के कोई पदाधिकारी भी नहीं है और चिट्ठी की भाषा भी राजनीतिक ज्यादा है, बजाए ठेकेदारों की पीड़ा के। लेकिन मानों इतना ही काफी नहीं था। भ्रष्टाचार को लेकर दूसरा वीडियो बम का धमाका गुरुवार को हुआ। इसमे रीवा के एक सिविल इंजीनियर और पेटी कांट्रेक्टर पीयूष पांडे ने जबलपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से शिकायत की है कि उसे गौशाला निर्माण का 38 लाख रु. का भुगतान पाने के लिए साढ़े 14 लाख रू. कमीशन देना पड़ा है।

इस वीडियो के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरूण यादव ने कहा कि राज्य में शिवराज सरकार के पाप का घड़ा फूट चुका है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि अच्छा है शिवराज सरकार भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने के खिलाफ हम पर एफआईआर करे। इससे जनता तक करप्शन का मुद्दा तो पहुंचेगा। कांग्रेस ने राज्य में भ्रष्टाचार की अर्थी भी निकाली। इसी बीच अब तक खामोश रही बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रश्न किया कि मप्र में कमीशनखोरी की आड़ में जनता के असली मुद्दों को दरकिनार करना कहां तक उचित है?

दरअसल, शिवराज सरकार पर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर इस हमले का मकसद यह बताना है कि कांग्रेस ने मई में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में राज्य में भाजपा की तत्कालीन बोम्मई सरकार पर 40 परसेंट की सरकार होने का आरोप लगाया था, जो काम कर गया था। नतीजा रहा कि राज्य में फिर से सरकार का दावा करने वाली भाजपा मात्र 65 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस को उम्मीद है कि मप्र में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर 50 परसेंट कमीशन खाने तथा उसके भ्रष्टाचारी होने का दावं जनता में अलग परसेप्शन बनाएगा और कांग्रेस की जीत का मार्ग प्रशस्त होगा।

यह तर्क भी है कि कर्नाटक की भाजपा सरकार तो 40 परसेंट कमीशन ही खा रही थी, शिवराज सरकार में बकौल कांग्रेस यह रेट 50 परसेंट है। यानी 10 फीसदी और ज्यादा। लेकिन मजे की बात यह है कि दुनिया भर में भ्रष्टाचार का तुलनात्मक अध्ययन करने वाली संस्था ट्रांसपेरेंट इंटरनेशनल ने भारत के संदर्भ में वर्ष 2023 की अपनी रिपोर्ट में देश में सर्वाधिक भ्रष्ट राज्य कांग्रेस शासित राजस्थान को बताया है।

राजस्थान में कमीशन का ताजा रेट क्या है, यह साफ नहीं है, वहां लेकिन विपक्ष में बैठी भाजपा इसे कोर मुद्दा नहीं बना पा रही है। और तो और भ्रष्ट राज्यों की सूची में दूसरे नंबर पर नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार शासित बिहार और तीसरे नंबर पर भाजपा शासित उत्तर प्रदेश है। इस सूची में मध्य प्रदेश का क्रमांक 10 वां है। भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ 9 वें यानी मप्र से एक नंबर ऊपर ही है। बावजूद इसके वहां भूपेश बघेल सरकार की सत्ता में वापसी की संभावना जताई जा रही है, क्योंकि राज्य में भाजपा के पास कई ठोस रणनीति ही नहीं है और न ही कोई दमदार नेता है।

जाहिर है इससे लगता है कि चुनाव में भ्रष्टाचार का मुद्दा अकेले खतरनाक पिच के बजाए तगड़ी बल्कि ग्राउंड फील्डिंग की तरह काम करता है, जबकि कांग्रेस मप्र में इसे कोर मुद्दा बनाने की कोशिश में है। कितना कामयाब होगा, यह चुनाव नतीजे ही बताएंगे।

भारतीय चुनाव पैटर्न में यह देखने में आया है कि किसी सरकार के अच्छे या बुरे होने का परसेप्शन ही उसे सत्ता में लाता या फिर बेदखल करता है। बाकी मुद्दे केवल उत्प्रेरक की तरह काम करते हैं। कई बार नहीं भी करते है या फिर बाज दफा उल्टे भी पड़ जाते हैं। ऐसा ही रिस्की मुद्दा कांग्रेस के भगवाकरण का और शिवराज सरकार द्वारा अंधाधुंध रेवड़ी बांटने का है।

भाजपा को उम्मीद हैकि मतदाताओं को सीधे पैसा देकर खुश करना सरकार की तमाम नाकामियों और नाराजियों को सत्ता के कालीन के नीचे सरकार देगा। नकदी लाभ भ्रष्टाचार के आरोपों की नसबंदी कर देगा। वैसे भी सत्ता पर काबिज रहना ही राजनीति का परम साध्य है।

दूसरी तरफ कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि भाजपा चाहे जो कर ले, इस बार मतदाता परिवर्तन का मूड बनाए बैठा है। वह रेवड़ी भी जेबों में भर लेगा मगर सत्ता का परचम कांग्रेस के हाथ में थमाएगा। वैसे यह कांग्रेस का अति आशावाद भी हो सकता है। क्योंकि इतनी शिद्दत से रेवड़ी, रामनाम और भ्रष्टाचार को केन्द्र में रखकर लड़ा जाने वाला यह शायद पहला विधानसभा चुनाव है।

वरना अभी तक चुनाव विकास, महंगाई, बेरोजगारी और थोड़े बहुत भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर ज्यादा लड़े जाते रहे हैं। लिहाजा मप्र का यह विस चुनाव राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी गौर से देखा और विश्लेषित किया जाएगा। अब देखना यह है कि भारतीय लोकतंत्र मतदाता के जमीर के हिसाब से आगे बढ़ता है या फिर रेवड़ियों के भरोसे। अगर चुनाव रेवड़ियों के भरोसे से ही जीते जाने लगें तो तय मानिए कि भारत की अर्थव्यवस्था कहां से कहां पहुंचेगी और इसका भुक्तभोगी भी वही मतदाता होगा, जिसके गले से सिर्फ आह निकलेगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

प्रकृति के कार्यभूत मन में ही काम प्रकट होता है, ऐसा ज्ञानी जनों का मानना है। सृष्टि के आदि में यह आप: (मूल क्रियाशील तत्त्व) ही विश्व का कारणभूत बना। जिससे सृष्टि रचना हुई। जो लोग इस रहस्य को जानते हैं, वे जिस वस्तु की इच्छा करते हैं, उसे प्राप्त भी कर लेते हैं।

सृष्टि रचना के उद्देश्य से ब्रह्माजी ने तप प्रारम्भ किया। उस तप के परिणाम स्वरूप अनुष्टुप् छन्द में आबद्ध इस नारसिंह मन्त्रराज का साक्षात्कार हुआ। उन्होंने मंत्र राज के प्रभाव से इस दृश्य जगत् की रचना की। इस प्रत्यक्ष दिखाई देने वाले जगत् को इसीलिए मंत्रराज आनुष्टुभमय कहते हैं। सम्पूर्ण भूतों की उत्पत्ति इस अनुष्टुप् मन्त्र से ही हुई है। इस अनुष्टुप् के ही द्वारा उन्हें जीवन धारण की शक्ति मिलती है और इस लोक से प्रयाण करते समय अनुष्टुप् में ही प्रवेश कर जाते हैं। सम्पूर्ण सृष्टि की रचना करने वाली यह अनुष्टुप् वृत्ति ही है। अनुष्टुप् ही वाणी है। इसलिए इसी वाणी से मनुष्य जन्म और मृत्यु को प्राप्त होते हैं। सभी छन्दों में अनुष्टुप् छन्द निश्चित ही श्रेष्ठ है। यहाँ अनुष्टुप् को ही उद्भव, विकास एवं विलय का कारण कहा गया है। अनुष्टुप् छन्द में चार चरण होते हैं। छन्द का एक अर्थ काव्यात्मक गठन विशेष होता है तथा दूसरा व्यापक अर्थ होता है जो आच्छादित किये हुए है। जिस प्रकार अनुष्टुप् चार चरणों में व्यक्त होता है, उसी प्रकार इस सृष्टि की विभिन्न धाराएँ चार-चार चरणों में व्यक्त हैं, यथा- चार वेद, चार प्रकार के प्राणी- (स्वेदज, अण्डज, जरायुज और उद्भिज), अन्त:करण चतुष्टय, चार वर्ण, चार आश्रम आदि। अगले ही मन्त्र में सृष्टि को चार चरणों (भूमि, अन्तरिक्ष, द्युलोक एवं परमव्योम) में व्यक्त कहा गया है। अगले मन्त्रों में भी सृष्टि के विभिन्न चतुष्टय कहे गये हैं। इसीलिए सृष्टि को अनुष्टुप् मय कहा गया है।

सप्तद्वीपा वसुन्धरा, पर्वत और समुद्र इस सामरूपी मन्त्रराज के प्रथम चरण से उत्पन्न हुए, ऐसा जानना चाहिए। उस साम के द्वितीय चरण से यक्ष, गन्धर्व और अप्सराओं से सेवित यह अंतरिक्ष बना, ऐसा समझना चाहिए। उसी साम के तीसरे चरण से वसु, रुद्र और आदित्य आदि देवताओं से सेवित द्युलोक है, ऐसा जानना चाहिए तथा जो मायारूपी मल से मुक्त निरंजन, पवित्र, परम व्योममय ब्रह्मरूप है, उसे साम के चतुर्थ चरण से उत्पन्न हुआ जानें। इस प्रकार से जानकर प्राणी अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। समस्त अंगों और शाखाओं सहित ऋक्, यजु: साम और अथर्व, चारों वेद (इस मंत्रराज के) चार पाद हैं। मन्त्रराज का ध्यान कैसे किया जाए? उनका देवता कौन है? अंग कौन-कौन से हैं? देवताओं का गण एवं छन्द कौन सा है और इस मन्त्रराज के ऋषि कौन हैं ?

क्रमश:...

अक्षय ऊर्जा दिवस

योगेश कुमार गोयल

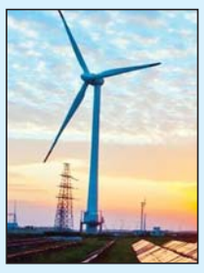

लोगों को उर्जा संबंधित विकास के लिए जागरूक करने के लिए अक्षय ऊर्जा दिवस भारत में दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी जयंती के दिन 20 अगस्त को मनाया जाता है। वर्तमान समय में अक्षय ऊर्जा दिवस मनाना और भी आवश्यक बनता जा रहा है, क्योंकि खतरनाक दर से धीरे-धीरे हर दिन पृथ्वी पर संसाधन समाप्त होते जा रहे हैं। इसलिए भारत के सभी लोगों को जागरूक करने के लिए अक्षय ऊर्जा दिवस मानना अति आवश्यक है। क्योंकि बायोगैस, विद्युत ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल विद्युत जैसे प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है। प्राकृतिक संसाधनों की कमी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, यह हमारी युवा पीढ़ी के लिए गंभीर समस्या का विषय बन सकता है। नागरिकों को जागरूक करने के लिए भारत में पहली बार अक्षय ऊर्जा दिवस 2004 में मनाया गया था। यह दिवस प्राकृतिक संसाधनों जैसे-बायोगैस, विद्युत ऊर्जा, जलविद्युत आदि। की जागरूकता लोगों में बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

दैनिक जीवन में उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा स्रोतों द्वारा पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न की जा रही है लेकिन ऊर्जा की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में इन ऊर्जा संसाधनों की अत्यधिक कमी होने या इनके समाप्त होने का भय पैदा हो गया है। यही कारण है कि भारत सहित दुनियाभर में अब ऊर्जा के गैर-अक्षय संसाधनों के मुकाबले अक्षय ऊर्जा संसाधनों की मांग निरन्तर तेजी से बढ़ रही है। इसीलिए भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाशित बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक अक्षय ऊर्जा असीमित और प्रदूषणरहित ऊर्जा है, जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा संरक्षण की आदतों को अपनाने के साथ ही ऐसे अक्षय ऊर्जा संसाधनों की ओर कदम बढ़ाना आज समय की सबसे बड़ी मांग है। ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन से बचाव के दृष्टिगत भी अक्षय ऊर्जा संसाधनों को प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है।

न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

पाकिस्तान में सेना के रहते स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव पर संदेह

मरिआना बाबर

इंतजार के पल खत्म हुए और पाकिस्तान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा कर दी गई है। बांग्लादेश के समान ही पाकिस्तान के संविधान में कार्यवाहक सरकार का प्रावधान है। लेकिन अब आवाजें उठ रही हैं कि संविधान में संशोधन करते हुए पाकिस्तान के चुनाव आयोग को बड़ी भूमिका दी जाए और उसे ज्यादा मजबूत और आजाद बनाया जाए। कभी-कभी एक पत्रकार खुद को वहां खड़ा पाता है, जहां इतिहास लिखा जा रहा हो और उसके पास इस बदलाव को शब्द देने का मौका होता है।

बीते शनिवार को इस्लामाबाद में आयोजित एक रात्रिभोज कार्यक्रम से बाहर निकलते हुए, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पूर्व मंत्रियों ने भी शिरकत की थी, पूर्व में विदेश सचिव और भारत में उच्चायुक्त रहे जलील अब्बास जिलानी के घर के पास से गुजरने का मौका मिला। वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री के पद के लिए शीर्ष दावेदार थे, लेकिन शनिवार की दोपहर को इस पद के लिए सीनेटर अनवार-उल-हक काकड़ के नाम की घोषणा की गई। यह खबर सभी को झटका देने वाली थी। खासकर जलील जिलानी के लिए यह खबर सदमे से कम नहीं थी, क्योंकि उन्हें यह आश्वासन दिया जा रहा था कि उनके नाम की घोषणा तय है। अफसोस की बात है कि 2018 में भी जलील को इसी दुर्भाग्य का सामना करना पड़ा था, जब उन्हें कार्यवाहक प्रधानमंत्री का पद दिए जाने की बात हो रही थी, लेकिन एकाएक उनका नाम हटा दिया गया था। पिछले शनिवार को हमने देखा कि जलील जिलानी के घर के बाहर तैनात पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों को हटा लिया गया।

संभावित प्रधानमंत्री को सरकारी सुरक्षा देना बिल्कुल सामान्य है। लेकिन फिर बुधवार की दोपहर को जिलानी के लिए एक खुशखबरी आई। उन्हें सरकार की ओर से फोन करके यह सूचित किया गया कि उन्हें नए विदेश मंत्री के तौर पर नामित किया गया है। अब वह शपथ ग्रहण कार्यक्रम का इंतजार कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के दफ्तर में एक और बदलाव नए विदेश सचिव सायरस काजी के नाम की घोषणा के तौर पर किया गया है। वह एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं, जो इससे पहले तक तुर्किये में पाकिस्तान के राजदूत थे।

बड़ा सवाल यह है कि आखिर असल वजह क्या थी, कि जलील जिलानी का नाम हटाकर काकड़ को चुना गया। मेरी जानकारी के अनुसार काकड़ के चुनाव में सेना ने काफी गुप्त ढंग से काम किया है। उन्हें जुलाई में ही यह सूचना दे दी गई थी, कि अगस्त में जब पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) सरकार भंग की जाएगी, तो उन्हें कार्यवाहक प्रधानमंत्री का पद संभालने के लिए तैयार रहना होगा। भंग की गई संसद में विपक्षी दल के नेता समेत सभी राजनीतिक दलों ने संभावित नामों की अपनी-अपनी सूचियां बनाकर दी थीं।

जलील जिलानी का नाम पीपीपी नेता आसिफ अली जरदारी की तरफ से आया था, जिस पर सभी राजी थे। लेकिन जब एकाएक सैन्य प्रतिष्ठान की तरफ से काकड़ का नाम भेजा गया, तो सभी को हैरत जरूर हुई, लेकिन फिर सभी ने अपनी रजामंदी दे दी। इसके बाद ही काकड़ के नाम की औपचारिक घोषणा की गई। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किसी भी राजनीतिक दल ने काकड़ को मुबारकबाद नहीं भेजी है। न तो नवाज शरीफ ने, न मौलाना फजलुर रहमान, न आसिफ अली जरदारी ने और न बिलावट भुट्टो ने, जो सभी पीडीएम सरकार के अंग थे। अब विदेश मंत्री के तौर पर जलील जिलानी का नाम सामने आया है। उम्मीद है कि काकड़ बलूचिस्तान से अपने दो राजनीतिक मित्रों को संघीय कैबिनेट में जरूर लाएंगे।

पाकिस्तान के इस कार्यवाहक प्रधानमंत्री के बारे में जानना जरूरी है, जिसके कंधों पर निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने की जिम्मेदारी है। काकड़ दरअसल बलूचिस्तान के पश्तून हैं। लेकिन उनका ज्यादातर समय सीनेटर के तौर पर इस्लामाबाद के कैफे और रेस्तराओं में बीता है। वह एक छोटे शहर के आम आदमी जैसे रहे हैं। वर्ष 2018 में सुरक्षा प्रतिष्ठान ने बलूचिस्तान में किंग्स पार्टी बनाई, जिसे बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) कहा गया। उसी वर्ष काकड़ को उस पार्टी से सीनेटर के रूप में नामित किया गया था।

राजनीतिक विश्लेषक जाहिद हुसैन कहते हैं, %मजबूत साख वाले कई बलूच नेता हैं, जिन्हें इस पद के लिए चुना जा सकता था। सुरक्षा प्रतिष्ठान द्वारा %प्रोजेक्ट काकड़% की लॉन्चिंग पर तटस्थता का दिखावा तक नहीं किया गया है। इससे समय पर चुनाव होने पर भी सवाल खड़े होते हैं। इससे एक व्यापक अंतरिम व्यवस्था के तहत चुनावों की निष्पक्षता संदेह में रहेगी। सेना की विकराल होती छाया ने लोकतांत्रिक बदलावों की संभावनाओं को अनिश्चित बना दिया है।% खैर, असल मुद्दा यह है कि क्या पाकिस्तान में चुनाव समय पर हो सकेंगे। हालांकि, मार्च 2024 की तारीख बताई जा रही है। संविधान के अनुसार, संसद भंग होने के 90 दिनों के भीतर चुनाव कराना होता है।

अंग्रेजी दैनिक, द न्यूज इंटरनेशनल ने चेतावनी भरे लहजे में लिखा है, %काकड़ के लिए सबसे बड़ी चुनौती समय पर आम चुनाव कराना होगा। देश के वर्तमान राजनीतिक हालात को देखते हुए इसमें काफी मुश्किलें आ सकती हैं। ये मुश्किलें, काकड़ की फिलहाल जो अच्छी छवि बनी हुई है, उसे एक झटके में मटियामेट कर सकती हैं।% हालांकि, अगर ये उम्मीदें की जा रही हैं कि नई सरकार आम उपभोक्ता के लिए राहत ला सकती है, तो यह गलत होगा। इसी हफ्ते लोग पेट्रोल के झटके से आहत थे।

फिर, आईएमएफ की शर्तों के तहत डीजल की कीमतें दोगुनी हो चुकी हैं। डॉलर की कीमत 300 रुपये तक पहुंच गई। आने वाले वित्तमंत्री के फैसले महत्वपूर्ण होंगे, जिनके लिए पहली चुनौती अर्थव्यवस्था को स्थिर करने की होगी। इस बीच, पीटीआई नेता इमरान खान बेशक जेल में हैं और उनकी पार्टी को कमजोर करने की हर कोशिश भी की जा रही है, लेकिन सेना अब तक यह सबक नहीं सीख सकी है कि किसी नेता को राजनीतिक क्षेत्र से बाहर का रास्ता केवल जनता ही दिखा सकती है। उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) नेता नवाज शरीफ के साथ भी यही करने की कोशिश की थी, लेकिन निर्वासन में होने के बावजूद उनकी पार्टी ने एक साल पहले ही सरकार बनाई। जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी देने और बेनजीर भुट्टो की हत्या करने से सच्चाई नहीं बदल सकती। पीपीपी अब भी सबसे बड़े राजनीतिक दलों में से एक है।

हिन्द स्वराज्य

अशान्ति और असन्तोष

प्रश्न- तो आपने बंग-भंग को जागृति का कारण माना। उससे फैली हुई अशान्ति को ठीक समझा जाय या नहीं?

उत्तर- इन्सान नींद में से उठता तो अँगड़ाई लेता है, इधर-उधर घूमता है और अशान्त रहता है। उसे पूरा भान आने में कुछ वक्त लगता है। उसी तरह अगरचे बंग-भंग से जागृति आयी है, फिर भी बेहोशी नहीं गयी है। अभी हम अँगड़ाई लेने की हालत में हैं। अभी अशान्ति की हालत है। जैसे नींद और जागने के बीच की हालत जरूरी मानी जानी चाहिए और इसलिए वह ठीक कही जायेगी, वैसे बंगाल में और उस कारण से हिन्दुस्तान में जो अशान्ति फैली है वह भी ठीक है। अशान्ति है यह हम जानते हैं, इसलिए शान्ति का समय आने की शक्यता है। नींद से उठने के बाद हमेशा अँगड़ाई लेने की हालत में हम नहीं रहते, लेकिन देर-सबेर अपनी शक्ति के मुताबिक पूरे जागते ही हैं। इसी तरह इस अशान्ति में से हम जरूर छूटेंगे। अशान्ति किसी को नहीं भाती।

प्रश्न- अशान्ति का दूसरा रूप क्या है?

उत्तर- अशान्ति असल में असंतोष है। उसे आजकल हम अनरेस्ट कहते हैं। कांग्रेस के जमाने में वह डिस्कन्टेन्ट कहलाता था। मि. ह्यूम हमेशा कहते थे कि हिन्दुस्तान में असंतोष फैलाने की जरूरत है। यह असंतोष बहुत उपयोगी चीज है। जब तक आदमी अपनी चालू हालत में खुश रहता है, तब तक उसमें से निकलने के लिए उसे समझाना मुश्किल है। इसलिए हरएक सुधार के पहले असंतोष होना ही चाहिए। चालू चीज से ऊब जाने पर ही उसे फेंक देने को मन करता है। ऐसा असंतोष हममें महान् हिन्दुस्तानियों की और अंग्रेजों की पुस्तकें पढ़कर पैदा हुआ है। उस असंतोष से अशान्ति पैदा हुई; और उस अशान्ति में कई लोग मरे, कई बरबाद हुए, कई जेल गये, कई को देश निकाला हुआ। आगे भी ऐसा होगा; और होना चाहिए। ये सब लक्षण अच्छे माने जा सकते हैं। लेकिन इनका नतीजा बुरा भी आ सकता है।

राहुल ने आरएसएस पर लगाया केंद्रीय मंत्रालयों के फैसले लेने का आरोप

■ कहा- हर जगह अपने आदमी रख रहा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि दक्षिणपंथी संगठन देश के हर संस्थान में अपने लोगों को बिठा रहा है। लद्दाख में कथित तौर पर एक सार्वजनिक संवाद की एक वीडियो क्लिप में उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के मंत्री फैसले नहीं ले रहे हैं, बल्कि आरएसएस के एक सज्जन हैं, जो यह तय कर रहे हैं कि मंत्रालय में क्या होना चाहिए। आरएसएस को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वैचारिक शाखा माना जाता है, और विपक्ष अक्सर उनके बीच समानताएं बताता रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आरएसएस ही देश में सब कुछ चला रहा है।

मंत्रालयों को चला रहे आरएसएस के लोग

पूर्व कांग्रेस प्रमुख का सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है,

जिसमें उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है, यहां तक कि अगर आप केंद्र सरकार के किसी भी मंत्री से पूछेंगे तो वे आपको बताएंगे कि वे हकीकत में अपने मंत्रालय को नहीं चला रहे हैं। आरएसएस द्वारा नियुक्त लोग ही वास्तव में इन मंत्रालयों को चला रहे हैं और सब कुछ सुझा रहे हैं।

समाजवादी पार्टी ने भी साधा था निशाना

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इससे पहले केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि आरएसएस-भाजपा की विचारधारा हर घर में राष्ट्रीय तिरंगा फहराने का अभियान इसलिए चला रही है, क्योंकि उन्होंने महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए भारत छोड़ो आंदोलन का समर्थन नहीं किया था।

भाजपा-आरएसएस चला रहे नया भारत छोड़ो आंदोलन

समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के बयान का हवाला देते हुए कहा था कि भाजपा और इसके मातृ संगठन आरएसएस की विचारधारा से जुड़े लोगों ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाए जा रहे भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया था। इस तथ्य के बावजूद कि वे हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, भाजपा-आरएसएस अब नया भारत छोड़ो आंदोलन चला रहे हैं जहां उद्योगपतियों को बैंक में धोखाधड़ी करने के बाद देश छोड़ने की अनुमति है।

अनुच्छेद-370 निरस्त होने के बाद राहुल का पहला लेह दौरा

अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों के गठन के बाद से राहुल गांधी का पहला लद्दाख दौरा है। उन्होंने लेह में आयोजित एक कार्यक्रम में युवाओं के साथ भी बातचीत की। राहुल गांधी ने कहा, भारत को 1947 में आजादी मिली और देश को मजबूत करना ही संविधान है। संविधान नियमों का एक समूह है..जिस तरह से आप संविधान को क्रियान्वित करते हैं, वह उन संस्थानों की स्थापना करके होता है, जो संविधान के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। भाजपा और आरएसएस अपने लोगों को संस्थागत ढांचे के प्रमुख पदों पर बिठा रहे हैं।

लद्दाख की वादियों में राहुल गांधी ने किया बाइक राइड

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद-कारगिल (एलएएचडीसी-कारगिल) के लिए मतदान से कुछ हफ्ते पहले अपनी लद्दाख यात्रा के दौरान पैंगोंग झील गए। वायनाड सांसद ने इंस्टाग्राम पर लद्दाख की अपनी बाइक यात्रा की 10 तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरें शेयर करते हुए राहुल गांधी ने लिखा, पैंगोंग झील के रास्ते में, जिसके बारे में मेरे पिता कहा करते थे कि यह दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। कुछ तस्वीरें कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स हैंडल से भी साझा की गईं और कैप्शन दिया गया, ऊपर और आगे - अजेय!

द्वारका एक्सप्रेसव पर सीएजी की रिपोर्ट को गडकरी ने किया खारिज

■ कहा- घोर गलत बयानबाजी की जा रही

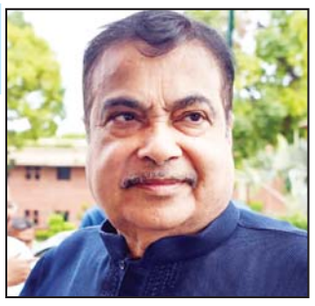

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने द्वारका एक्सप्रेसवे के निर्माण की लागत पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी। नितिन गडकरी ने शनिवार को द्वारका एक्सप्रेसवे परियोजना पर भारी फंडिंग कुप्रबंधन पर एक ऑडिट रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह घोर गलत बयानी थी।

हाल ही में, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सृत्र) की रिपोर्ट पर एक राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जिसमें द्वारका एक्सप्रेसवे के निर्माण की उच्च लागत को दर्शाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, एक्सप्रेसवे, जो 29.06 किलोमीटर तक फैला है, 250.77 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर की अत्यधिक लागत पर बनाया जा रहा है, जो आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) द्वारा स्वीकृत 18.2 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर से अधिक है। निर्माण की उच्च लागत के आरोपों का खंडन करते हुए, नितिन गडकरी ने कहा कि द्वारका एक्सप्रेसवे सीएजी रिपोर्ट में उल्लिखित 29 किलोमीटर लंबा नहीं था, बल्कि लगभग 230 किलोमीटर लंबा था, क्योंकि इसमें सुरंगें भी शामिल थीं।

उन्होंने कहा कि इस हिसाब से प्रति किलोमीटर 9.5 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं. गडकरी ने दावा किया कि उन्होंने यही बात सीएजी अधिकारियों को भी बताई और वे स्पष्टीकरण से आश्वस्त हो गए। हालाँकि, उन्होंने कहा, वे फिर भी रिपोर्ट पर आगे बढ़े।

विपक्षी गठबंधन भारत के बारे में पूछे जाने पर, नितिन गडकरी ने टिप्पणी की कि भाजपा विपक्षी एकता की वास्तुकार है। उन्होंने कहा, जिनकी विचारधाराएं कभी मेल नहीं खाती थीं, जिन्होंने कभी एक-दूसरे का चेहरा नहीं देखा, जिन्होंने कभी एक साथ चाय नहीं पी थी - अब वे हमसे (भाजपा) लड़ने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

गडकरी ने कहा कि भाजपा की ताकत ने विपक्ष को एक साथ आने के लिए प्रेरित किया। आगामी परियोजनाओं के बारे में बात करते हुए, गडकरी ने कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने के लिए एक एक्सप्रेसवे बनाने की योजना की घोषणा की। कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकार कश्मीर को कन्याकुमारी से एक्सेस कंट्रोल रोड के जरिए जोड़ने की योजना बना रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे अगले साल जनवरी या फरवरी तक पूरा होने की संभावना है।

पवार का भतीजे से मोहभंग, अब पोते पर लगाएंगे दांव

■ महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई एंट्री

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में दो फाड़ के बाद शरद पवार की नई राजनीतिक भूमिका को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। अटकलें हैं कि वे भाजपा के साथ जा सकते हैं। लेकिन 82 वर्षीय शरद पवार इन अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए एनसीपी को फिर से खड़ा करने की मुहिम पर निकल पड़े है। पवार अब भतीजे अजित पवार की जगह पोते रोहित पवार पर दांव लगाएंगे। बीड में हुई एनसीपी (शरद गुट) की पहली स्वाभिमान सभा में इसके साफ संकेत मिले है।

एनसीपी संस्थापक शरद पवार की बीड में हुई स्वाभिमान सभा में रोहित पवार ही छाये रहे। यहां तक कि एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल को भी भाषण देने का मौका नहीं मिला। जनसभा में उपस्थित लोगों की मांग पर जयंत पाटिल की जगह रोहित पवार ने भाषण दिया और जमकर तालियां बटोरी। एनसीपी के वरिष्ठ नेता व पूर्वमंत्री जितेन्द्र आव्हाड ने भी

मंच से अपने भाषण में कहा कि बेटा भले ही बाप से दूर हो जाए लेकिन दादा-पोते का संबंध अलग होता है वह उनसे दूर नहीं जा सकता। आव्हाड के इस बयान से साफ हो गया है कि पार्टी में रिक्त हुई उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जगह अब रोहित पवार को मिलेगी। एनसीपी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि राज्य में 30 से 60 वर्ष के मतदाताओं में अजित पवार का क्रेज है जबकि रोहित पवार के जरिए शरद पवार 18 से 35 वर्ष के मतदाताओं को साधेंगे।

युवाओं के बल पर पवार ने खड़ी की थी एनसीपी

सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर 10 जून 1999 में शरद पवार ने जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की स्थापना की थी तब युवा नेतृत्व अजित पवार, जयंत पाटिल, आर.आर.पाटिल, दिलीप वलसे पाटिल आदि को लेकर आगे बढ़े थे। इतना ही नहीं, उन्होंने बरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन की सरकार बनने पर इन्हीं युवाओं को मंत्री भी बनाया था। एनसीपी में टूट के बाद शरद पवार एक बार फिर उसी फार्मूले पर आगे बढ़ने वाले हैं।

कौन हैं रोहित पवार

बीते तीन दशक से महाराष्ट्र की राजनीति में पवार घराने का वर्चस्व है। 37 वर्ष के रोहित पवार एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के छोटे भाई अप्पासाहेब पवार के बेटे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के चचेरे भाई राजेन्द्र पवार के पुत्र हैं। रोहित पहली बार कर्जत-जामखेड सीट से विधानसभा पहुंचे हैं। वह शरद पवार और उनकी बेटी सांसद सुप्रिया सूले के बेहद भरोसेमंद हैं। पार्टी में टूट के बाद रोहित मुश्किल की घड़ी में साये की तरह शरद पवार के साथ देखे जाते हैं।

शाह आज मप्र सरकार का 'रिपोर्ट कार्ड' जारी करेंगे, ग्वालियर में होगी कार्यसमिति की बैठक

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को यहां मध्य प्रदेश सरकार का 'रिपोर्ट कार्ड' जारी करेंगे और इसके बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के क्षेत्र ग्वालियर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पार्टी के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। पार्टी की प्रदेश इकाई के एक नेता ने कहा कि शाह रविवार यानी कल सुबह यहां आएंगे और शिवराज सिंह चौहान सरकार का 'रिपोर्ट कार्ड' जारी करेंगे। मध्य प्रदेश भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख आशीष अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि इसके बाद शाह भोपाल से ग्वालियर के लिए रवाना होंगे जहां वह कार्य समिति की बैठक को संबोधित करेंगे। सूत्रों ने कहा कि पार्टी विधायकों, सांसदों, जिला अध्यक्षों और महासचिवों को ग्वालियर पहुंचने के लिए कहा गया है।

उन्होंने कहा कि लगभग 1,500 पदाधिकारियों को बैठक में बुलाया गया है और उम्मीद है कि बैठक में आगामी मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी अपनी अंतिम योजना पेश करेगी। चुनाव से पहले यह प्रदेश कार्यसमिति की आखिरी बैठक होगी। राज्य में इस वर्ष के अंत में चुनाव होने हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, भाजपा ग्वालियर और चंबल क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास कर रही है। ग्वालियर में पिछले वर्ष 57 साल बाद महापौर का चुनाव कांग्रेस से हारने के बाद भाजपा इस इलाके में अपना आधार बढ़ाना चाहती है। एक महीने से भी कम समय में शाह का मध्य प्रदेश का यह दूसरा दौरा होगा।इसके पहले 30 जुलाई को शाह ने इंदौर का दौरा किया था, जहां उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने ग्वालियर और चंबल क्षेत्र की 34 में से 26 सीट जीतीं, तब ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस में थे। सिंधिया के अपने करीबियों के साथ भाजपा में चले जाने के बाद, नवंबर 2020 में ग्वालियर और चंबल क्षेत्र में हुए उपचुनावों में कांग्रेस 19 में से सिर्फ सात सीट जीत सकी थी। एक राजनीतिक पर्यवेक्षक ने कहा कि पिछले साल ग्वालियर में महापौर के चुनाव में झटका लगने के बाद अब भाजपा कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती।

प्रशासन बताए नफरत फैलाने वालों पर क्या कार्रवाई हुई

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को प्रशासन से पूछा कि जम्मू में एक तिरंगा रैली के दौरान कथित तौर पर नफरत फैलाने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। मुफ्ती ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, ''जब उपराज्यपाल प्रशासन कश्मीर में तिरंगा यात्रा में व्यस्त था, तो जम्मू में एक और घटना हुई, जहां दक्षिणपंथी कट्टरपंथियों ने खुले तौर पर मुस्लिम नरसंहार का आह्वान किया।'' जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने रैली का एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि ''हत्या संबंधी नारे'' लगाए गए।

सीएजी रिपोर्ट का हवाला देकर खरगे ने सरकार पर साधा निशाना

■ 93 प्रतिशत मार्गों पर काम नहीं कर रही उड़ान योजना

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र की उड़ान योजना 93 फीसदी मार्गों पर काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से आम लोगों को सिर्फ झूठ और जुमले मिले।

2016 में शुरू की गई थी योजना

क्षेत्रीय हवाई संपर्क को प्रोत्साहित करने और टियर-2 और टियर-3 शहरों और कस्बों में जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 21 अक्टूबर, 2016 को उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के नाम से एक क्षेत्रीय संपर्क योजना शुरू की गई थी। उन्होंने ट्वीट किया,उड़ान मिली नहीं, बस झूठ और जुमलों की बात की! भारत अब ऐसी अक्षम सरकार को माफ नहीं करेगा।

वादों को पूरा नहीं कर पाई सरकार

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई यात्रा करने की सुविधा देने का मोदी सरकार का वादा अपने सभी वादों की तरह पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, यह हम नहीं कह रहे हैं, कैग रिपोर्ट यह कह रही है। योजना (उड़ान) 93

फीसदी मार्गों पर काम नहीं कर पाई। यहां तक कि एयरलाइनों का स्वतंत्र ऑडिट भी नहीं किया गया। बहुप्रचारित हेलीकॉप्टर सेवाएं भी ठप रहीं। उन्होंने ट्वीट किया,उड़ान मिली नहीं, बस झूठ और जुमलों की बात की! भारत अब ऐसी अक्षम सरकार को माफ नहीं करेगा।

घोटालों की होनी चाहिए जांच: कांग्रेस

इससे पहले बुधवार को कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया था कि कैग ने भाजपा नीत केंद्र सरकार की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में घोटालों की ओर इशारा किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा था कि कथित घोटालों की जांच होनी चाहिए और जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

कमलनाथ ने सत्ता में आते ही हमारी योजनाएं बंद कर दीं: शिवराज सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश में चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस और बीजेपी दोनों राज्य को अपने पक्ष में करने के लिए मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही हैं। अब इसी उम्मीद के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि वह प्रदेश में बुजुर्गों को फ्लाइट के जरिए तीर्थयात्रा कराएंगे। उन्होंने पन्ना जिले में मुख्यमंत्री लाडली बहना सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस योजना की घोषणा की। चौहान ने आरोप लगाया कि कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने राज्य में बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा सहित भाजपा सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं को बंद कर दिया था। शिवराज ने कहा कि कांग्रेस और कमलनाथ ने सत्ता में आते ही हमारी योजनाएं बंद कर दीं। मैं बच्चों को साइकिल के लिए पैसे देता था, लेकिन कांग्रेस ने बंद कर दिया। मैं बेटे-बेटियों को लैपटॉप के लिए पैसे देता था, लेकिन कांग्रेस ने वह भी बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि गरीब बहनों को, मैं बच्चे के जन्म से पहले 4,000 रुपये और प्रसव के बाद 12,000 रुपये की राहत देता था, उन्होंने इसे भी बंद कर दिया। उन्होंने कहा, मैं राज्य के बुजुर्गों को तीर्थयात्रा पर ले जाता था, लेकिन कांग्रेस ने इसे भी रद्द कर दिया। अब, मैं फिर से बुजुर्गों को तीर्थयात्रा पर ले जाना शुरू करूंगा और इस बार न केवल ट्रेन से बल्कि उड़ानों के जरिए भी। सीएम ने कहा कि सरकार बेटियों की शादी कराती थी, कांग्रेस ने उस योजना को भी बंद कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं धीरे-धीरे लाडली बहना योजना की राशि 1,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह कर दूंगा... गुनौर के कॉलेज में विज्ञान संकाय की कक्षाएं शुरू की जाएंगी। इसके साथ ही गुनौर के गर्ल्स हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल बनाया जाएगा। राज्य में आगामी चुनावों के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के कई कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए रविवार, 20 अगस्त को मध्य प्रदेश का दौरा करेंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले ईंधन की कीमतें कम होने पर हरदीप पुरी ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह गलत धारणा है कि सरकार अगले साल लोकसभा चुनाव से पहले ईंधन की कीमतें कम करेगी। आजतक जी20 शिखर सम्मेलन में पुरी से पूछा गया कि क्या चुनाव से पहले लोगों को राहत देने के लिए ईंधन की कीमतें कम होने जा रही हैं। इसके जवाब में हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ये मीडिया द्वारा फैलाया गया दावा है लेकिन इसमें कोई दम नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों, परिवहन लागत, रिफाइनिंग लागत और करों जैसे कई कारकों से तय होती हैं। उन्होंने कहा कि देश में ईंधन की कीमतें इस बात से तय होती हैं कि सरकार ऐसे कारकों से कैसे निपटती है।

महामारी के बाद 2022 में तेल की कीमतें बढ़ने का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि भारत ने तेल आपूर्ति करने वाले देशों से कीमतें कम करने के लिए नहीं कहा। बल्कि। सरकार ने कीमतें कम करने के लिए ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती की। उन्होंने कहा। इसके अलावा भाजपा शासित राज्यों में सरकार ने ईंधन पर मूल्य वर्धित कर घटाकर 8 रुपये से 11 रुपये तक कीमतें कम कर दीं। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री से विपक्षी गठबंधन भारत के बारे में भी पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ हुई बातचीत को याद किया जिसमें आप नेता ने कहा था कि वह वंशवाद की राजनीति के खिलाफ हैं। पुरी ने कहा कि जब उन्होंने केजरीवाल से पूछा कि वह विपक्षी गठबंधन का हिस्सा क्यों हैं। तो आप नेता ने कहा कि यह सिर्फ राजनीति थी।

पुरी ने विपक्षी गुट पर कटाक्ष करते हुए कहा, राजनीति में उत्साही होना महत्वपूर्ण है। खासकर यदि आपके पास कोई दम नहीं है। इस साल भारत द्वारा जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के बारे में बात करते हुए पुरी ने कहा। भारत का अनुभव विकासशील देशों के लिए बहुत प्रासंगिक है। देश की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र विकसित कर रहा है जिसे अब वैश्विक दक्षिण की आवाज कहा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान शुरू हुई मेट्रो ट्रेन प्रणाली चीन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मेट्रो प्रणाली बनने के लिए तैयार है।

सीट शेयरिंग मुद्दा नहीं, दिखाएंगे बड़ा दिलः अखिलेश

नई दिल्ली। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एक बार फिर प्रदेश की योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। एक न्यूज चैनल से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने प्रदेश के तमाम मुद्दों को लेकर योगी सरकार को कटघरे पर खड़ा किया है। अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि यूपी में ट्रैफिक पुलिस में नई भर्ती हुई है, जो कि हर सड़क पर दिखाई दे रहे हैं। ये नई भर्ती है जिसकी वजह से हर दिन एक व्यक्ति की जान जा रही है। अखिलेश ने कहा कि एक भी दिन ऐसा नहीं गुजरता जिस दिन प्रदेश में किसी अन्नदाता की या फिर किसी गरीब की जान उस नई भर्ती की वजह से न जा रही हो।

दरअसल पूर्व सीएम अखिलेश

यादव सांड के मुद्दे पर बिना नाम लिए प्रदेश की योगी सरकार पर हमलावर थे। अखिलेश ने कहा कि मैं नाम नहीं बोलना चाहता था इनकी वजह से हादसों में बढ़ोतरी हुई है। अखिलेश ने सांडों को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला कि सांडों को यह नंदी मानते हैं। अरे हम कैसे कह दें कि यह नंदी है जो हर रोज एक व्यक्ति की जान लेगा। आपको बता दें कि विधानसभा सत्र के दौरान भी अखिलेश यादव ने सांड का मुद्दा उठाया था। जिस पर सीएम योगी ने पलटवार करते हुए कहा था कि हम सांड को नंदी के रूप में पूजते हैं।

इसी क्रम में सपा सुप्रीमो से लोकसभा चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब में कहा कि हां लड़ना तो चाहिए, कहां से लड़ेंगे ये पार्टी तय करेगी। वाराणसी, कन्नौज या किस सीट से लड़ेंगे ये अखिलेश ने अभी स्पष्ट नहीं किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि जहां से बीजेपी के नेता कह दें वहां से चुनाव लड़ लूंगा। अखिलेश ने साफ किया कि वो चुनाव लड़ने को तैयार हैं। आगे उन्होंने 2024 को लेकर कहा कि गठबंधन के सभी नेता तैयार हैं। हमारी मीटिंग के बाद आपने 40 लोगों की मीटिंग बुलाई। ऐसे दलों को भाजपा ने बुलाया जिनका अस्तित्व तक नहीं है। अखिलेश ने कहा कि ये दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है जिसे कि इन छोटे दलों की जरूरत पड़ रही है। अखिलेश ने कहा कि हमारे साथ जितने भी दल हैं वो अपने-अपने राज्यों में ताकतवर हैं।

सीट एडजस्टमेंट कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। संयोजक चुनना बड़ा फैसला नहीं है वो हम कर लेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि हम पूरी मजबूती के साथ भाजपा को केन्द्र की सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए तैयार हैं। हम सीट शेयरिंग के मुद्दे पर समझौता करने तक तैयार हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि सपा बड़ा दिखाने के लिए जानी जाती है।

जोखिमों पर नियंत्रण पाने के लिए डिजिटल सुरक्षा पर तालमेल की सख्त जरूरत : वैष्णव

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि दुनिया के आपस में जुड़ जाने के बाद साझा सुरक्षा जोखिम पैदा हो गया है, जिसके लिए डिजिटल सुरक्षा पर परस्पर तालमेल की अत्यंत आवश्यकता है। वैष्णव ने 'जी-20 डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यसमूह मंत्रियों' की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यबल के सिलसिले में भारतीय अध्यक्षता में तीन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का चयन किया गया है, जिससे प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में मदद मिलेगी।

रेलवे, इलेक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कहा, ''आपस में दुनिया के जुड़ जाने के बाद साझा सुरक्षा जोखिम पैदा हो गया है। इसलिए डिजिटल सुरक्षा पर तालमेल की जरूरत अत्यावश्यक हो गयी है।'' वैष्णव ने

कहा, ''डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्यसमूह के लिए भारत की अध्यक्षता में चुने गये प्राथमिकता वाले क्षेत्र डिजिटल लोक अवसंरचना, डिजिटल अर्थव्यवस्था में सुरक्षा और डिजिटल कौशल प्रशिक्षण हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये प्राथमिकताएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिशादृष्टि की झलक देती हैं जो प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में यकीन करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रौद्योगिकी का लाभ हर नागरिक तक पहुंचना चाहिए, भले ही उसकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। वैष्णव ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र की सार्वजनिक बुनियादी संरचना को प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण में अहम भूमिका निभानी है। उनके अनुसार, भारत का डिजिटल मंच यूपीआई सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) पहल का बहुत अच्छा उदाहरण है।

पति की लंबी उम्र के लिए हरियाली तीज व्रत और शिव-पार्वती का अभिषेक

शनिवार, 19 अगस्त को सावन शुक्ल पक्ष की तृतीया है। इसे हरियाली तीज कहा जाता है। ये महिलाओं के लिए साल के सबसे बड़े व्रतों में से एक है। इस दिन किए गए व्रत उपवास से जीवन साथी को लंबी उम्र, सेहत और सौभाग्य मिलता है, ऐसी मान्यताएं हैं।
उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, हरियाली तीज पर व्रत करने के साथ ही शिव-पार्वती का अभिषेक भी करना चाहिए। जो लोग व्रत नहीं कर रहे हैं, उन्हें अभिषेक जरूर करना चाहिए। अगर अभिषेक करने का भी समय नहीं है तो घर में या किसी अन्य मंदिर में शिवलिंग पर जल और बिल्व पत्र चढ़ा सकते हैं।
हरियाली तीज व्रत से जुड़ी खास बातें
अधिकतर महिलाएं ये व्रत निर्जल होकर रखती हैं, यानी वे पूरे दिन कुछ भी खाती-पीती नहीं हैं, पानी भी नहीं। कुछ महिलाएं इस व्रत अन्न नहीं खाती हैं, वे पानी, दूध के साथ ही फलाहार करती हैं।
तीज व्रत देवी पार्वती से जुड़ा है। हिन्दी पंचांग के हर महीने में दो तीज आती हैं। इस तरह पूरे में साल में कुल 24 तीज होती हैं। जिस साल में अधिक मास रहता है, उस साल कुल 26 तीज हो जाती हैं, जैसी इस बार हुई हैं।
मान्यता है कि पुराने समय में देवी पार्वती ने शिव जी को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। इस व्रत से शिव जी प्रसन्न हुए, देवी के सामने प्रकट हुए और मनचाहा वरदान दिया था। माना जाता है कि उस दिन तीज तिथि ही थी। तीज तिथि पर देवी का तप सफल हुआ था, इसी वजह से तीज तिथि पर देवी के लिए व्रत-उपवास किया जाता है। इस दिन सार्वजनिक जगहों पर जैसे किसी मंदिर में या किसी पार्क में पौधे लगाने की परंपरा भी है।
ऐसे कर सकते हैं शिव-पार्वती का अभिषेक
अभिषेक की शुरुआत गणेश पूजा के साथ करनी चाहिए। गणेश जी की प्रतिमा पर जल चढ़ाएं। पंचामृत से अभिषेक करें। इसके बाद फिर से जल चढ़ाएं।
गणेश जी का श्रृंगार करें। दूर्वा चढ़ाएं। लड्डू का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। ऊँ गं गणपतयै नमः मंत्र का जप करें।
गणेश जी की पूजा के बाद शिव-पार्वती का अभिषेक करें। शिवलिंग और देवी प्रतिमा पर जल, दूध, पंचामृत चढ़ाएं। इसके बाद फिर से जल चढ़ाएं।
शिवलिंग का श्रृंगार चंदन और बिल्व पत्र से करें। देवी को लाल चुनरी, कुमकुम सुहाग का सामान चढ़ाएं। श्रृंगार करें। मिठाई और मोसमी फलों का भोग लगाएं।
धूप-दीप जलाकर आरती करें। पूजा में शिव जी और देवी पार्वती के मंत्रों का जप करें। शिव जी के ऊँ नमः शिवाय और देवी मंत्र ऊँ गौर्यै नमः का जप कर सकते हैं।
पूजा के बाद दिनभर व्रत के नियमों का पालन करें। शिव-पार्वती की कथा पढ़ें, सुनें। जप-ध्यान करें। शाम को फिर पूजा करें और अगले दिन यानी चतुर्थी तिथि पर एक बार फिर पूजा करें, इसके बाद ये व्रत पूरा हो जाता है।

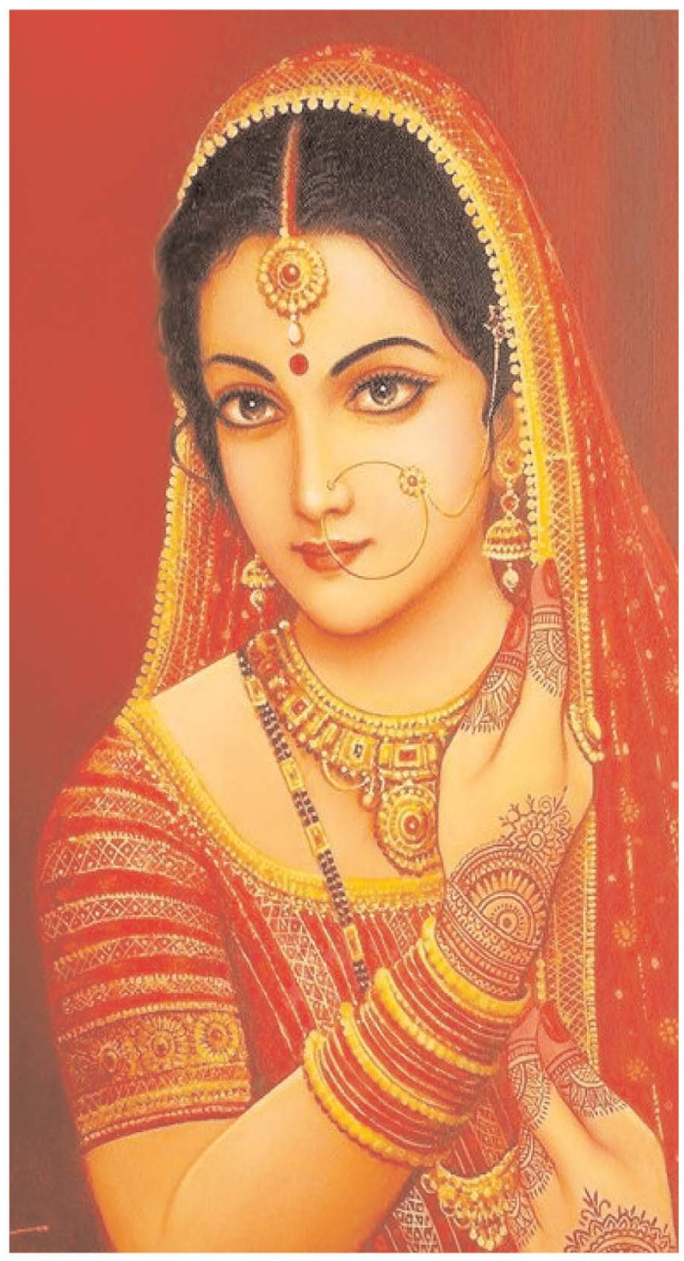

शिवेश्वर महादेव की पूजा करने से मिलता है शिव गणों में स्थान

धार्मिक नगरी उज्जैन में एक ऐसा शिव मंदिर है, जिसके बारे में अवंती खंड के स्कंद पुराण में उल्लेख है कि यदि इस शिवलिंग का सच्चे मन से पूजन अर्चन किया जाए तो पूजन करने वाला भक्त शिव गणों में शामिल हो जाता है। 84 महादेव में 37वां स्थान रखने वाले श्री शिवेश्वर महादेव की महिमा अत्यंत निराली है, जिनका मंदिर रामजनार्दन मंदिर की सीढ़ी के पास विष्णु सागर पर स्थित है। मंदिर के पुजारी पंडित योगेश शर्मा बताते हैं कि स्कंद पुराण के अवंती खंड में मंदिर की कथा कुछ यह बताती है कि एक समय महाकाल वन में रिपुंजय नामक राजा राज्य किया करते थे। वे इतने सेवाभावी राजा थे कि उनके शासनकाल में कोई भी दुखी नहीं था, लेकिन यह राजा शिव की नहीं बल्कि भगवान विष्णु की पूजा अर्चना किया करते थे। इस नगरी में भगवान शिव की पूजा कोई नहीं करता था। एक दिन भगवान शिव ने अपने गणेश नामक गण को उज्जैन भेजा और उन्हें कहा कि महाकाल वन में एक शिवलिंग की स्थापना करो। गण ने वैद्य का रूप धारण किया और इसी नगरी में रहने लगा उसने औषधियों के माध्यम से कई लोगों की असाध्य बीमारियों को भी ठीक कर दिया। धीरे-धीरे उसकी ख्याति इतनी बढ़ने लगी कि राजा रिपुंजय की पत्नी बहुला देवी ने पुत्र ना होने कि अपनी समस्या को भगवान शिव के गण जो कि वैद्य के रूप में इस नगरी में रह रहे थे। उन्हें बताया लेकिन वैद्य ने राजा की आज्ञा के बिना रानी बहुला देवी को इलाज करने से मना कर दिया। जिस समय राजा और रानी वैद्य के सामने उपस्थित हुए उसी समय वह गण अंतर्ध्यान हो गए और उनके स्थान पर एक शिवलिंग का निर्माण हो गया।
राजा रानी ने इसी शिवलिंग का पूजन-अर्चन किया, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें वरदान दिया कि राजन तुम्हारे यहां पुत्र होगा। क्योंकि यह शिवलिंग शिव के गण के रूप में था इसीलिए इसका नाम शिवेश्वर के रूप में विख्यात हुआ। कथा यह भी बताती है कि शिवेश्वर पुत्र प्रद लिंग है, इसकी अर्चना से शिव गण का पद प्राप्त होता है। मंदिर के पुजारी पंडित योगेश शर्मा बताते हैं कि यह शिवलिंग अत्यंत चमत्कारी है। मंदिर का गर्भग्रह तो छोटा है लेकिन मंदिर में भगवान शिवेश्वर की विशालकाय प्रतिमा है। मंदिर में भगवान शिव के साथ ही माता पार्वती, गणेश, कार्तिकेय और नंदी जी की प्रतिमा भी है। यहां सभी त्योहार धूमधाम से मनाए जाते हैं और विशेष अवसरों पर भगवान का श्रृंगार भी किया जाता है।

अशुभ ग्रह योग से बचने के लिए सावन शनिवार-रविवार को शिव पूजा का विशेष संयोग

17 अगस्त को सूर्य कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में आ गया है। जिससे अब सूर्य और शनि का दृष्टि संबंध बन रहा है। जो कि 17 सितंबर तक रहेगा।
इस अशुभ योग के चलते कई लोग परेशान हो सकते हैं। इस अशुभ योग से बचने के लिए सावन के शनिवार और रविवार को शिव पूजा का विशेष संयोग बन रहा है। इस योग में की गई शिव पूजन से हर तरह के दोष खत्म हो जाते हैं।
इस दिन रुद्राभिषेक और शनिदेव का तेलाभिषेक करने के बाद चांदी के नाग नागिन की पूजा करनी चाहिए। फिर उन्हें पवित्र नदी में बहा देना चाहिए।
शिवजी का अभिषेक करने से पितृदोष भी खत्म होता है। इसके साथ ही शनिदेव का तेल से अभिषेक करने से भी हर तरह की परेशानियां खत्म हो जाती हैं।
19 अगस्त को सावन शनिवार और तीज का संयोग सावन के शनिवार को शिवजी की

पूजा से शनि दोष में राहत मिलती है।
जरूरतमंद लोगों को कपड़े और अन्न दान के साथ ही जूते-चप्पल का भी दान करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।
इस बार शनिवार को हरियाली तीज का संयोग भी बन रहा है। इस तिथि पर भगवान शिव-पार्वती की पूजा के साथ, व्रत और दान करने से सुख-सौभाग्य बढ़ता है। शारीरिक परेशानियां दूर होती हैं। उम्र बढ़ती है। संपत्ति और धन लाभ भी होता है।
शिव और शनि पूजा
सावन के शनिवार को की गई पूजा से शनि के अशुभ प्रभाव से होने वाली तकलीफों से राहत मिलती है। जो लोग शनि की महादशा, साढ़ेसाती और ढय्या से परेशान हैं उनके लिए 19 अगस्त को आने वाला शनिवार बहुत खास है। इस दौरान सावन मास होने से पूजा का फल और बढ़ जाएगा।
20 अगस्त को हस्तादित्य संयोग
20 अगस्त को सावन महीने के रविवार को हस्त नक्षत्र होने से हस्तादित्य योग बन रहा है। इस योग में की गई शिव पूजा पाप और दोष नाशक मानी जाती है। साथ ही इस दिन अमृतसिद्धि योग भी बन रहा है। इस संयोग में की गई सूर्य और शिव पूजा करने से सूर्य-शनि समसप्तक योग का अशुभ फल कम होगा और शुभ फल बढ़ जाएगा।

सिंह राशि में बना चतुर्ग्रही योग

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य आज अपनी स्वराशि सिंह राशि में प्रवेश कर गए हैं। इसके साथ ही इस राशि में पहले से ही मंगल, बुध और चंद्रमा ग्रह विराजमान है। ऐसे में इन चार ग्रहों की युति से चतुर्ग्रही योग का निर्माण हो रहा है। संयोग की बात ये है कि ये योग आज ही रहेगा, क्योंकि कल चंद्रमा और मंगल दोनों की राशि परिवर्तन कर रहे हैं। चंद्रमा और मंगल दोनों ही कन्या राशि में प्रवेश कर जाएंगेष ऐसे में चतुर्ग्रही योग बनने से मेष से लेकर मीन राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलेगा। लेकिन कुछ राशियां ऐसी है जिन्हें अचानक धन लाभ के साथ बिजनेस, नौकरी में तरक्की मिल सकती है। आइए जानते हैं कि सिंह राशि में चतुर्ग्रही योग बनने से किन राशियों को मिलेगा बंपर लाभ।
चतुर्ग्रही योग बनने से इन राशियों को मिलेगा विशेष लाभ
वृषभ राशि -इस राशि में ग्रहों की युति चौथे भाव में हो रही है। ऐसे में इस राशि के जातकों का काफी अच्छा दिन जाने वाला है। परिवार का पूरा साथ मिलेगा। इसके साथ ही सुख-सुविधा के साथ अपार धन-संपदा मिल सकती है।
स्वास्थ्य अच्छा रह सकता है। लंबे समय से अटका हुआ काम अब पूरा हो सकता है।
मिथुन राशि -इस राशि में चतुर्ग्रही योग तीसरे भाव में बन रहा है। ऐसे में इस राशि के जातक काफी फुर्तिले रहेंगे। आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। ऐसे में आप हर क्षेत्र में सफलता पा सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बीत सकता है। । नौकरी पेशा लोगों को भी लाभ मिल सकता है।
तुला राशि -इस राशि में चतुर्ग्रही योग ग्यारहवें भाव में बन रहा है। ऐसे में इस राशि के जातकों को समाज में मान-सम्मान मिलेगा। आपके काम की तारीफ हर कोई करेगा। आपके अंदर नेतृत्व करने की क्षमता में बढ़ोतरी होगी। अगर कोई नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो इस दौरान कर सकते हैं। इसमें सफलता अवश्य प्राप्ति होगी। अचानक धन लाभ हो सकता है।
चतुर्ग्रही योग इस राशि में दसवें भाव में बन रहा है। ऐसे में इस राशि के जातकों को तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके काम से उच्च अधिकारी प्रसन्न हो सकते हैं। ऐसे में पदोन्नति और इंक्रीमेंट मिल सकता है। आय के नए स्त्रोत खुलेंगे।
हो चुकी हैं बॉडी शेमिंग का शिकार

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार पर बरसे अरविंद केजरीवाल

बोले- स्कूलों की हालत बेहद खराब है, 24 घंटे बिजली के साथ माह नवंबर तक के जितने भी बिजली बिल बकाया है सब होगा माफ

रायपुर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन में 10 बड़ी घोषणाएं की है जिनमें छत्तीसगढ़ में 24 घंटे बिजली के साथ माह नवंबर तक के जितने भी बिजली बिल बकाया है सब माफ करने के साथ ही बिजली, शिक्षा व स्वास्थ्य फ्री करने के अलावा और बेरोजगार युवाओं को तीन हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने की बात शामिल है। अगर छत्तीसगढ़ में आप की सरकार बनती है तो यह सारे वादे पूरे किए जाएंगे।

चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में प्रचार करते हुए, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों की भयानक स्थिति को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की। दिल्ली के मुख्यमंत्री राज्य की राजधानी रायपुर में एक चुनावी रैली में बोल रहे थे। उनके साथ उनकी पार्टी के सहयोगी और पंजाब समकक्ष भगवंत मान भी थे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, हम छत्तीसगढ़ में हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने 2-3 बड़े हॉल लेने की कोशिश की लेकिन सरकार ने कैंसल कर दिया। इस बार आप सरकार को कैंसिल कर देना।

केजरीवाल ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ की जनता को 10 गारंटी दी जिनमें छत्तीसगढ़

में 24 घंटे बिजली मिलेगी, नवंबर तक के जितने भी बिजली बिल बकाया है सब माफ होगा। शिक्षा की गारंटी। सभी सरकारी स्कूलों को शानदार बनाएंगे। सभी शिक्षकों को नियमित करेंगे। हेल्थ की गारंटी। सभी टेस्ट फ्री में होंगे। मोहल्ला क्लिनिक खुलेंगे। सबका इलाज फ्री में, रोजगार की गारंटी, रोजगार नहीं मिलने तक तीन हजार भत्ता मिलेगा। सरकारी नौकरी में नहीं लगानी पड़ेगी सिफारिश। महिला सशक्तिकरण की गारंटी। तीर्थ योजना की गारंटी। भ्रष्टाचार मुक्त छत्तीसगढ़, बिना पैसे दिए होंगे काम। घर पहुंच सेवा मिलेगी। शहीद परिवारों के लिए गारंटी, शहीद का सम्मान, पुलिस, फौज में शहीद होने वाले जवान के परिवार को एक करोड़ देंगे तथा हड़ताल करने वालों को नियमित करने की गारंटी।

केजरीवाल ने कहा कि आज़ादी के 76 साल में आप इकलौती पार्टी है, कोई और दूसरी पार्टी नहीं जो कहती है- आपके स्कूल बनाएंगे हमें वोट दे दो। आपके अस्पताल बनाएंगे हमें वोट दे दो। उन्होंने कहा, मैं एक रिपोर्ट पढ़ रहा था, छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब है। लेकिन, दिल्ली के सरकारी स्कूलों की हालत देखिए। आजादी के बाद पहली बार ऐसी सरकार आई है जो शिक्षा क्षेत्र के लिए इतना कुछ कर रही है। आप के मुख्य संयोजक ने छत्तीसगढ़ में मतदाताओं से अपनी पार्टी को एक मौका देने की अपील करते हुए कहा, हम राजनेता नहीं हैं, हम आपकी तरह सिर्फ आम लोग हैं। हमें छत्तीसगढ़ में एक मौका दें और आप अन्य सभी पार्टियों को भूल जाएंगे।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने भाषण में कांग्रेस और भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि हम वादा नहीं करते काम की गारंटी देते हैं। उन्होंने दिल्ली और पंजाब के विकास कामों का उदाहरण भी दिया। मान ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जानता से कह रहा हूं हम जो कहते है वो करते हैं। हम जुमले नहीं बनाते, ये हमारा काम नहीं है। हमने पंजाब में कुछ गारंटी दिया था उसे पूरा किया। विधायकों का पेंशन बंद किया, कई ऐसे थे जिनको हारने में फायदा था, विधायक को पेंशन लाखों मिलती थी। हमने मंत्रियों को पकड़ा, नेताओं को पकड़ा जिनके पास करोड़ों का घर, आलीशान बाथरूम रिश्वत के पैसे से बना था। एक ऐसी चीज मिली जो शहीदों की आत्मा को ठेस पहुंचाती है। वहां से नोट गिनने की मशीन मिली। इसका मतलब है कि लूट के पैसे गिन नहीं पाते थे मशीन लगती थी।

मान ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हमने पंजाब में फ्री बिजली दी तो वो फ्री की रेवड़ी हो गई तो मोदी जी बताएं 15 लाख वाला पापड़ कहां है। कालेधन की बात पर कलम रुक जाती है। अब तो सवाल उठने लगा है कि चाय बनाने आती है कि नहीं। सारा देश बेच दिया, तेल बेच दी, रेल बेच दी भेल बेच दिया। खरीदा क्या सिर्फ मीडिया। हमने शिक्षा की गारंटी दी। हमारे नेताओं ने बड़े बड़े नेताओं को हराया। पंजाब में 660 मोहल्ला क्लिनिक खोले। 40 किस्म की दवाई फ्री में मिल रहा। बुजुर्गों को फ्री में तीर्थ यात्रा करा रहे। हमने घूसखोरी बंद कर दी और हम भ्रष्टाचार मुक्त छत्तीसगढ़ की गारंटी देते हैं। शहीद होने पर परिजनों को 1 करोड़ की गारंटी दी। फौज में मारे जाने पर शहीद का दर्जा दिया।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिन के प्रवास पर 31 को पहुंचेंगी छत्तीसगढ़

रायपुर। राष्ट्रपति का पद सम्हालने के बाद द्रौपदी मुर्मू 31 अगस्त को पहली बार छत्तीसगढ़ आ रही हैं। दो दिन के प्रवास में राष्ट्रपति मुर्मू रायपुर और बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति मुर्मू इंडियन एयरफोर्स के विशेष विमान से 31 अगस्त को सुबह करीब 10 बजे रायपुर पहुंचेंगी। एयरपोर्ट से राष्ट्रपति सीधे राजभवन आएंगी। राष्ट्रपति मुर्मू यहां विधानसभा रोड स्थित शांति सरोवर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। साथ ही वे महंत घासी दास संग्रहालय का दौरा करेंगी। इस दौरान राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन भी उनके साथ रहेंगे। इस दौरान उनके सम्मान में श्री हरिचंदन राजभवन में रात्रि भोज का आयोजन करेंगे। श्रीमती मुर्मू राजभवन में ही रात्रि विश्राम करेंगी। और अगले दिन 1 सितंबर को रायपुर से हेलीकॉप्टर से बिलासपुर के लिए रवाना होंगी। जहां वे सबसे पहले रतनपुर स्थित महामाया मंदिर में दर्शन करेंगी और उसके बाद बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। समारोह सुबह 11 बजे से शुरू होगा। वहां से रायपुर लौटने के बाद वे अपने विशेष विमान से दिल्ली लौट जाएंगी।

राजीव गांधी के शेष अधूरे कार्यों को पूरा करना हमारा संकल्प : डॉ. महंत

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने संचार क्रांति के स्वप्न दृष्टा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती अवसर पर उन्हें स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, भारत की तस्वीर को बेहतर बनाने में उनके योगदान का वर्णन करना मुमकिन नहीं है। भारत रत्न राजीव गांधी देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। उनकी सोच हम सबको आज भी प्रेरणा देती है। डॉ. महंत ने कहा कि, समूचा भारत राष्ट्र निर्माण में आपके योगदान को सदैव याद करता है और हमेशा याद रखेगा। भारत में कंप्यूटर (इंटरनेट ब्रॉडबैंड) की शुरुआत कर संचार क्रांति के नए युग की आधारशिला रखी, देश के विकास को नई गति दी। युवा भारत की नींव रखी, देश में 18 वर्ष के युवाओं को मताधिकार का अधिकार दिया। त्रिस्तरीय पंचायती राज की कल्पना को मूर्त रूप दिया और ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को प्रजातंत्र के रास्ते नयी पहचान दी। मेधावी बच्चों को अच्छी शिक्षा और सुविधा देने के लिए एनपीई की मदद से जवाहर नवोदय विद्यालयों की शुरुआत हुई। राजीव गांधी जी ने अर्थव्यवस्था के सेक्टर्स को खोला, साल 1988 में की उनकी चीन यात्रा ऐतिहासिक थी। डॉ. महंत ने कहा कि, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी के जन्मदिन को सदभावना दिवस के रूप में मनाया जाता है, हम सब आज यह संकल्प लेते हैं कि राजीव जी के सपनों के भारत के शेष अधूरे कार्यों को पूरा करने हर संभव प्रयास करते रहेंगे।

भूपेश बघेल पाटन से ही लड़ेंगे, प्रक्रिया के तहत ब्लाक अध्यक्ष को दिया आवेदन

रायपुर। कांग्रेस की चुनावी प्रक्रिया का पालन करते हुए सीएम भूपेश बघेल ने भी पाटन से दावेदारी पेश कर दी है। सीएम भूपेश ने पाटन से चुनाव लडने ब्लॉक अध्यक्ष महेन्द्र वर्मा को अपना आवेदन सौंप दिया है। जैसे कि मालूम हो दावेदारी के लिए आवेदन की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है। उधर भाजपा ने तीन दिन पहले पाटन से सांसद विजय बघेल को प्रत्याशी घोषित कर दिया है।

कसाब को फांसी दिलाने वाली देविका आज शहर में

रायपुर। मुंबई में 2008 में हुए आतंकी हमले में ज़िंदा पकड़े गए आतंकी कसाब को अपनी गवाही से फांसी के फंदे तक पहुंचाने वाली देविका रोटावन (मुंबई) कल रविवार 20 अगस्त को सायं 6.30 बजे से मैक कॉलेज सभागार समता कॉलोनी में आयोजित भजन संध्या व सम्मान समारोह में शामिल होंगी। कार्यक्रम का आयोजन शिवानी स्मृति सेवा संस्थान द्वारा किया जा रहा है । संस्थान के अध्यक्ष मुकेश शाह ने बताया कि देश की बहादुर बेटी का खिताब प्राप्त देविका के हौसले और साहस के लिए रतन टाटा और अमिताभ बच्चन जैसी जानी मानी हस्तियां भी उन्हें सम्मानित कर चुकी हैं। कल आयोजित कार्यक्रम में अपनी लगन, संघर्ष व मेहनत से समाज में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाली युवतियों व महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक भट्टर व विशेष अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्री सीताराम जी अग्रवाल हैं।

राजीव गांधी ने 21वीं सदी के आधुनिक भारत की रखी आधारशिला : भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की 20 अगस्त को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री राजीव गांधी को याद करते हुए श्री बघेल ने कहा है कि राजीव जी ने 21 वीं सदी के आधुनिक भारत की नींव रखी। देश में कम्प्यूटर क्रांति और सूचना क्रांति लाने का श्रेय राजीव जी को जाता है। कम्प्यूटर के जरिए शासकीय काम-काज में पारदर्शिता आई और ई-प्रशासन के माध्यम से आमजन तक शासकीय योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हुई। वास्तव में राजीव जी आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री राजीव गांधी ने भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर संभाली। उन्होंने देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को 18 साल में मतदान का अधिकार दिलाया। उन्होंने देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकायों को अधिकार संपन्न बनाने का भी महत्वपूर्ण कार्य किया। राज्य सरकार द्वारा राजीव युवा मितान क्लब के जरिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में युवाओं को रचनात्मक सांस्कृतिक गतिविधियों खेल-कूद आदि से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी का दृष्टिकोण था कि भारत में गरीबी उन्मूलन तथा आत्मनिर्भर भारत निर्माण के लक्ष्य की प्राप्ति किसानों की आर्थिक दशा में सुधार के बिना संभव नहीं है। उनके बताए रास्ते पर चलते हुए राज्य सरकार ने गरीबों, किसानों, आदिवासियों सहित सभी वर्गों के लोगों के लिए अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम और योजनाएं शुरु की हैं। किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य दिलाने के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना' शुरु की गयी है। इस योजना के माध्यम से राज्य के 24 लाख से अधिक किसानों को 20,103 करोड़ रूपए इनपुट सब्सिडी के रूप में दिए गए हैं। साथ ही राज्य के ग्रामीण अंचल के भूमिहीन कृषि मजदूरों को आर्थिक मदद देने के लिए राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना शुरू की गई है।

उम्मीदवारों के नाम की घोषणा पर सिंहदेव ने दिया जवाब

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची पहले ही घोषित कर दी है। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसा नहीं किया गया है। इसी को लेकर उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव से सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए ऐसा करना जरूरी नहीं है क्योंकि सबसे पुरानी पार्टी अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए एक प्रक्रिया अपनाती है। देव ने कहा कि अगर कांग्रेस चाहे तो आज ही या विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है।

टीएस सिंह देव ने कहा कि यह देखा गया है कि (पार्टी की) स्थिति प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक जैसी नहीं हो सकती है। हम चाहें तो आज ही या चुनाव से कम से कम एक महीना पहले अपनी सूची घोषित कर सकते हैं। उन्होंने सवाल किया कि आपको क्यों लगता है कि यह तय करने के लिए विचार-विमर्श किया जाना चाहिए कि मुख्यमंत्री किस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे? आपको बता दें कि भाजपा ने राज्य से अपने लोकसभा सांसद विजय बघेल को पाटन से सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ मैदान में उतारा है। वह सीएम के भतीजे हैं। इस बीच, उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा

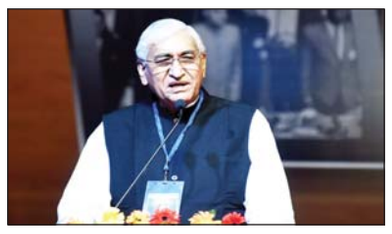

कि जैसा कि हम सभी जानते हैं, ऐसे लोग हैं जिनके चुनाव लड़ने की संभावना अधिक है। लेकिन कांग्रेस के पास एक प्रक्रिया है और हम उसके अनुसार चलना चाहेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि उन्होंने (भाजपा) घोषणा की है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें भी ऐसा ही करना होगा। सबसे पहले, नामों की स्क्रीनिंग होगी, जिसे फिर वरिष्ठ नेतृत्व को भेजा जाएगा, जो फिर फैसला लेगा। नवंबर 2018 में, कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी को सत्ता से बाहर कर दिया, और 2003 के बाद यहां अपनी पहली सरकार बनाई; इस पूरी अवधि के दौरान भगवा पार्टी रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व में राज्य में सत्ता में थी।

6 सितंबर को जारी होगी कांग्रेस की पहली सूची

राजीव भवन में पॉलिटिकल अफेयर कमेटी व लोकसभा के पर्यवेक्षकों की बैठक आगामी विधानसभा चुनाव से पहले हुई। बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल व प्रदेश प्रभारी कुमारी सेलजा ने बताया कि कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली सूची 6 सितंबर को जारी कर दी जाएगी और इससे पहले 2 सितंबर को राहुल गांधी पश्चात 8 सितंबर को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे छत्तीसगढ़ आएंगे। सैलजा ने दावा किया वे छत्तीसगढ़ में 75+ सीटें जीत रही है। वेणुगोपाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ में हम 75+ सीटें जीतने का टारगेट रखा है जिसकों लेकर आज गहन-विमर्श कर इसके प्लान की तैयारियों के बारे में चर्चा की गई। टिकट के दावेदार 30 अगस्त तक जिला कांग्रेस कमेटी में नाम भेज सकते है। बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, प्रभारी सचिव चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, विजय जांगिड़ और चुनाव के लिये बनाये गये पर्यवेक्षकों के अलावा स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य शामिल थे। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त तक जिला कांग्रेस कमेटी में नामों का पैनल पीसीसी को देगी।

सीएम आज गोधन और राजीव गांधी किसान न्याय योजना के हितग्राहियों को खाते में ट्रांसफर करेंगे करोड़ों रुपए

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 20 अगस्त को महासमुन्द में गोधन न्याय योजना और राजीव गांधी किसान न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में करोड़ों रुपए टांसफर करेंगे। गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में 9.65 करोड़ रुपए भुगतान करेंगे। राशि में गोबर विक्रेताओं को 4.40 करोड़ रुपए, गौठान समितियों को 3.09 करोड़ रुपए और स्व-सहायता समूहों की 2.16 करोड़ रुपए की राशि शामिल हैं। इससे पहले गोधन न्याय योजना के तहत हितग्राहियों को 541 करोड़ 66 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। 20 अगस्त को 9.65 करोड़ रुपए के भुगतान के बाद 551.31 करोड़ रुपए हो जाएगा।

सीएम भूपेश बघेल गौठानों में 1 से 15 अगस्त तक क्रय किए गए 2.20 लाख क्विंटल गोबर के एवज में गोबर विक्रेताओं को 4.40 करोड़ रुपए का ऑनलाइन भुगतान करेंगे। गौठानों में अब तक 130.54 क्विंटल गोबर की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में पशुपालन किसानों को 256.68 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है। 20 अगस्त को 4.40 करोड़ रुपए के भुगतान के बाद गोबर क्रय के एवज में भुगतान की कुल राशि 261.08 करोड़ रुपए हो जाएगी। गौठान समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को 20 अगस्त रविवार को 5.25 करोड़ रुपए भुगतान की जाएगी। इसका कुल भुगतान का आंकड़ा 266.98 करोड़ रुपए से बढ़कर 272.23 करोड़ रुपए हो जाएगा।

राज्य में निर्मित और संचालित 10287 गौठानों में से 6167 गौठान आत्मनिर्भर हो चुके हैं। ये स्वयं की राशि से गोबर विक्रेताओं से गोबर खरीद कर रहे हैं। आत्मनिर्भर गौठानों ने अब तक 73 करोड़ 9 लाख रुपए का गोबर स्वयं की राशि से खरीदी किया है। 20 अगस्त को गोबर विक्रेताओं को भुगतान की जाने वाली राशि 4.40 करोड़ रुपए में स्वावलंबी गौठानों की भागीदारी 2.82 करोड़ रुपए हैं। कृषि विभाग की ओर से गोबर बेचने वालों को भुगतान की जाने वाली 1.58 करोड़ रुपए की राशि का लगभग दोगुना है।

छत्तीसगढ़ में 20 जुलाई 2020 को हरेली पर्व के दिन गोधन न्याय योजना की शुरूआत हुई। दो रूपए किलो में गोबर खरीदी की यह योजना छत्तीसगढ़ सरकार की लोकप्रिय योजनाओं में शामिल है। पशुधन के संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ गांव में रोजगार के नए अवसर है। इस योजना को देश के कई राज्य अपनाने लगे हैं। गौठानों में पशुधन निशुल्क चारा-पानी का प्रबंध होने से पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिला है। खुली चराई प्रथा पर काफी हद तक रोक लगी है। गोधन न्याय योजना के चलते राज्य में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जैविक खाद के उत्पादन और उपयोग से जैविक खेती को बढ़ावा मिला है।

भाजपा ने सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

भिलाई टाउनशिप के लोगों के साथ छलावा करने का लगाया आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा भिलाई टाउनशिप के लोगों को बिजली बिल हाफ योजना के लाभ को छलावा बताते हुए भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आज विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। और इस योजना के तहत टाउनशिप के लोगों को एक मार्च 2019 से योजना का लाभ दिए जाने की मांग की गई। तो वहीं भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने इसे विपक्ष के द्वारा जनता को बरगलाने का आरोप लगाया।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय आज अपने समर्थकों के साथ राज्य सरकार और भिलाई नगर विधायक के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। राज्य सरकार से टाउनशिप के लोगों का बकाया 80 करोड़ रुपए दिए जाने की मांग की। दरअसल छत्तीसगढ़ में एक मार्च 2019 से हाफ बिजली योजना लागू है लेकिन भिलाई टाउनशिप के लोग इस लाभ से वंचित थे। स्थानीय विधायक देवेंद्र यादव की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस योजना का लाभ टाउनशिप के लोगों को भी देने का निर्णय लिया है। पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय इस योजना का लाभ उस समय से दिलाए जाने की मांग पर धरना प्रदर्शन पर बैठे है।

वहीं भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने इस मामले में कहा कि विपक्ष अनावश्यक रूप से राजनीति कर रहा है। भिलाई टाउनशिप स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधीन आता है। जिसमें राज्य सरकार का सीधा हस्तक्षेप नहीं है। फिर भी प्रबंधन के साथ मिलकर टाउनशिप के लोगों को बिजली बिल हाफ योजना का लाभ दिलाने का प्रयास किया गया है।

सीएम बघेल ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

- **प्रधानमंत्री पर साधा निशाना, बोले- अफवाह फैलाने का किया काम**

बालोद। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज बालोद जिले के संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करकाभाट पहुंचे। यहां सीएम ने विधानसभा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। बालोद पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया जिसके बाद हजारों कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री ने संकल्प दिलाया। संकल्प में उन्होंने कहा की हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलेंगे पार्टी से जिसे भी प्रत्याशी बनाया जाएगा उसको विजयी बनाने के लिए हमेशा कार्य करेंगे। इस दौरान संगीता सिन्हा ने कविता सुनाई तो मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए बनारस के किसानों की तुलना में छत्तीसगढ़ के किसानों को 2100 रुपए क्विंटल के साथ खुशहाल बताया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मतदान के अधिकार से लेकर महिलाओं का अधिकार, महिलाओं को संपत्ति रखने का अधिकार नहीं था धान का समर्थन मूल्य इंदिरा जी के समय आया, बैंक में आम जनता को ले जाने का काम इंदिरा जी ने किया जब भी कांग्रेस को मौका मिला आम जनता को मजबूत बनाने का काम किया। केन्द्र ने चावल खरीदने से मना किया तो हमे चावल की नीलामी की प्रति क्विंटल 600 से लेकर 700 तक का नुकसान हुआ।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि यहां पर हम 2100 रुपए क्विंटल में धान खरीद रहे हैं और एक तरफ मोदी जी बनारस से चुनाव लड़ते हैं वहां तो किसान 1200 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान बेचते हैं। अब बताइए मोदी के क्षेत्र की जनता खुश है या हमारे छत्तीसगढ़ की वो तो प्रधानमंत्री हैं हमने उनसे बेहतर काम किया उन्होंने केवल अफवाह फैलाने का काम किया।

इस दौरान विधायक संगीता सिन्हा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सम्मान में एक कविता का गायन किया जिसमे सभी मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका साथ दिया। विधायक संगीता सिन्हा ने कहा कि इस बार पुन: कांग्रेस की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा इंसान को जब कोई नई जिम्मेदारी मिलती है उसके बाद अपने घर को जाते हैं पर मुख्यमंत्री सीधे कार्यालय पहुंचे और किसानों का कर्जा माफ किया।

प्रशिक्षण से कौशल बढ़ता है और गुणवत्ता में होता है विकास : जस्टिस चौरडिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अधीनस्थ जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोगों में नियुक्त अध्यक्षों एवं सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में शुरू हो गया है। शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री गौतम चौरडिया ने कहा कि प्रशिक्षण से कौशल बढ़ता है और गुणवत्ता में विकास होती है। अतः समय-समय पर प्रशिक्षण होते रहना चाहिए। जब हम शुरूआती दौर पर होते है तो हम सबको प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने कहा कि ज्ञान की खोज कभी भी समाप्त नहीं होनी चाहिए। जीवन में ज्ञान को खोजते रहना चाहिए और विनम्रता एवं सद्भाव के साथ ज्ञान को ग्रहण करना चाहिए। न्याय मूर्ति श्री चौरडिया ने कहा कि किसी भी प्रकरणों पर निर्णय देने से पहले पूर्व के निर्णयों के साथ ही माननीय सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायमूर्तियों द्वारा दिए गए निर्णयों का अवलोकन व अध्ययन करना चाहिए। इसके साथ जनहित में ईमानदारी पूर्वक स्वविवेक का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति श्री चौरडिया ने उदाहरण देते बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट इसलिए सुप्रीम नहीं है क्योंकि उनके फैसले पर कोई अपील नहीं कर सकता, बल्कि इसलिए सुप्रीम है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा ही समय-समय पर अपने द्वारा दिए गए फैसलों को स्वयं बदलकर जनहित में फैसले लिए जाते है। उन्होंने कहा कि जनता की पीड़ा को समझ-बूझकर प्रकरणों पर निर्णय देना चाहिए। न्यायमूर्ति श्री चौरडिया ने कहा कि कभी भी संशय में रहकर निर्णय नही देना चाहिए।

कही-सुनी

रवि भोई

दिग्गज कांग्रेसियों के बेटे-बेटियों की दौड़

कहते हैं कांग्रेस के कुछ बड़े नेता अपनी जगह अपने बेटे-बेटियों या दूसरे रिश्तेदारों को चुनाव लड़वाना चाहते हैं। कहा जा रहा है कि पूर्व मंत्री और विधायक सत्यनारायण शर्मा ने कांग्रेस की प्रभारी महासचिव सुश्री सैलजा से अपनी जगह रायपुर ग्रामीण से अपने बेटे पंकज शर्मा को टिकट देने का आग्रह किया है। पंकज अभी रायपुर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष हैं। चर्चा है कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत भी अपनी जगह अपने बेटे को चुनाव लड़वाना चाहते हैं। मंत्री रविंद्र चौबे ने अपने बेटे को क्षेत्र में सक्रिय किया है। खबर है कि प्रेमनगर के विधायक खेलसाय सिंह अपनी जगह अपने किसी रिश्तेदार के लिए टिकट चाहते हैं। माना जा रहा है कि पार्टी भी कुछ विधायकों की टिकट काटकर उनके रिश्तेदारों को टिकट दे सकती है। अब देखते हैं इस फार्मूले की जद में कौन-कौन आते हैं। अमितेश शुक्ल की जगह उनके बेटे को उम्मीदवार बनाने की बात हवा में है।

भाजपा हाईकमान का एक्शन

चुनाव की घोषणा से पहले ही भाजपा हाईकमान ने छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों में से 21 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर सभी को चौंका दिया। कहते हैं भाजपा के प्रदेश नेता जिन सीटों के लिए तीन-तीन दावेदारों का पैनल बना रहे थे, उनमें से भी कुछ सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए। चर्चा है कि भाजपा हाईकमान के इस एक्शन से प्रदेश के नेताओं को जोर का झटका लगा है। खबर है कि प्रदेश के नेताओं ने केंद्रीय चुनाव समिति के सामने 37 सीटों के लिए पैनल सौंपा, जिसमें चार सीटों के लिए सिंगल नाम था। चारों सीटों में ही बिजनेस कम्युनिटी से जुड़े लोगों का नाम दिया गया था। बताते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने प्रदेश के नेताओं को नए सिरे से दावेदारों का पैनल बनाने का सुझाव देकर 21 प्रत्याशियों की घोषणा करवा दी।

रिटायर्ड अफसरों का भाजपा मोह

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में रिटायर्ड अफसरों का जमावड़ा शुरू हो गया है। 2018 के विधानसभा चुनाव से आईएएस की नौकरी छोड़कर ओपी चौधरी ने भाजपा का दामन थामा और खरसिया से चुनाव भी लड़े, पर वे हार गए। अब उनके रायगढ़ सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा है। रिटायर्ड आईएएस गणेशंकर मिश्रा, आर पी एस त्यागी और रिटायर्ड आईएफएस एसएसडी बड़गैया भी भाजपाई हो गए हैं। त्यागी जी 2018 के चुनाव के पहले कांग्रेस में गए थे। अब 2023 के चुनाव के पहले भाजपा में आ गए हैं। कहते हैं इन तीनों अफसरों के मन में भी चुनाव मैदान में दो-दो हाथ करने की इच्छा है। भाजपा हाईकमान इनकी मन की मुराद पूरी करती है या नहीं, यह समय बताएगा। चर्चा है कि गणेशंकर मिश्रा धरसींवा और बड़गैया की नजर लोरमी सीट पर है। सारंगढ़ के रहने वाले बड़गैया बिलासपुर इलाके में अफसरी कर चुके हैं। कहा जा रहा है चुनाव से पहले कुछ रिटायर्ड अधिकारी या नौकरी त्यागकर कुछ अफसर भाजपा आ सकते हैं।

डॉ विमल चोपड़ा और सम्पत अग्रवाल में मुकाबला

भाजपा ने महासमुंद जिले की चार में से दो सीटों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। खल्लारी और सराईपाली में महिलाओं को मैदान में उतारा गया है, ऐसे में माना जा रहा है कि अब महासमुंद जिले में महिला दावेदारों का पत्ता साफ़ हो गया है। महासमुंद सीट के लिए डॉ विमल चोपड़ा और बसना से सम्पत अग्रवाल को सशक्त दावेदार माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि महासमुंद जिले में व्यापारी वर्ग से एक ही उम्मीदवार बनाया जाएगा। डॉ विमल चोपड़ा और सम्पत अग्रवाल व्यापारी वर्ग से संबंध रखते हैं, ऐसे में किसी एक की ही किस्मत चमक सकती है। अब देखते हैं किसकी लाटरी निकलती है। डॉ विमल चोपड़ा महासमुंद से निर्दलीय विधायक रह चुके हैं, वहीं सम्पत अग्रवाल 2018 में बसना से निर्दलीय चुनाव लड़कर दूसरे स्थान पर थे।

कांग्रेस की रणनीति पर भाजपा

कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह को घेरने के लिए उनकी घोर विरोधी रही करुणा शुक्ला को राजनांदगांव में उनके खिलाफ खड़ा किया था , अब वही फार्मूला अपनाकर भाजपा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ उनके रिश्तेदार विजय बघेल को पाटन से प्रत्याशी घोषित कर दिया है। चुनावी मैदान में भूपेश बघेल और विजय बघेल के बीच मुकाबला पुराना है। दोनों ही एक-दूसरे को पटखनी दे और खा चुके हैं। 2023 का मुकाबला रोचक रहने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस बार सांसद विजय बघेल का मुकाबला मुख्यमंत्री से होना है।

क्या रमेश बैस के लिए रास्ता खुला

महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस के सक्रिय राजनीति में वापसी की चर्चा बड़े दिनों से है। रमेश बैस के 76 वें जन्मदिवस पर इसी दो अगस्त को रायपुर में एक बड़ा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। कहा जा रहा था कि सक्रिय राजनीति में वापसी में उम्र बड़ी बाधा बन रही है ,क्योंकि भाजपा में 75 पार के नेताओं को मार्गदर्शक मंडल में डालने की परंपरा चल पड़ी है। लेकिन भाजपा ने मध्यप्रदेश में 75 पार के नेता जगन्नाथ सिंह रघुवंशी को अशोकनगर जिले के चंदेरी विधानसभा से प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में 76 साल के रमेश बैस के लिए सक्रिय राजनीति में वापसी और विधानसभा चुनाव में दावेदारी के लिए रास्ता साफ़ माना जा रहा है।

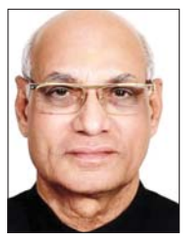

कांग्रेस की लिस्ट सितंबर में

पिछले दिनों विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की पहली लिस्ट जारी होने के बाद कांग्रेस भी जल्द उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है। चर्चा है कि कांग्रेस की पहली सूची सितंबर के पहले सप्ताह में आ सकती है। वैसे कांग्रेस में अभी दावेदारों से आवेदन लिए जा रहे हैं और कांग्रेस की महासचिव सैलजा जगह-जगह जाकर नेताओं-कार्यकर्ताओं से चर्चा कर रही हैं। कहा जा रहा है कि कई जगह नेताओं-कार्यकर्ताओं का वर्तमान विधायकों को लेकर गुस्सा भी फूट रहा है। वहीं दावेदारों की भीड़ उमड़ रही है। बताते हैं ट्रैक से बाहर हो चुके कांग्रेसी नेता भी टिकट के लिए दावेदारी से चूक नहीं रहे हैं।

एसपी की लिस्ट का इंतजार

कहा जा रहा है कि विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले सरकार पुलिस अधीक्षकों में हेरफेर कर सकती है। एसपी से ऊपर और नीचे के अफसरों में बदलाव हो चुका है। पिछले दिनों सरकार ने आईजी स्तर में हेरफेर किया। एएसपी स्तर के अफसरों की सूची भी जारी हो चुकी है। इस कारण एसपी के लिस्ट का सभी को इंतजार है। कई आईपीएस अलग-अलग जिलों में रहकर लंबे समय से कप्तानी कर रहे हैं, उनके बदले जाने की संभावना है।

भीमसिंह फिलहाल श्रम आयुक्त ही

कहते हैं 2008 बैच के आईएएस भीमसिंह को अब तक छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का प्रभार नहीं मिला है। सरकार ने भीमसिंह को बिलासपुर संभाग के कमिश्नर पद से तबादला कर श्रमायुक्त के साथ राज्य ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का प्रभार सौंपा था।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक हैं।)

विजय बघेल बने प्रत्याशी पाटन से हार की दहशत में कांग्रेस: साव

- **भाजपा के आंगन में ताक-झाँक के मनोरोग के पीड़ित मुख्यमंत्री कांग्रेस और अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं**

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे अपने वर्तमान निर्वाचन क्षेत्र पाटन में भाजपा उम्मीदवार विजय बघेल का मुकाबला करने तैयार हैं, या कि पाटन से भागने वाले हैं। श्री साव ने कहा कि जबसे भाजपा ने पहली सूची में 21 उम्मीदवार घोषित किए हैं और मुख्यमंत्री के चुनाव क्षेत्र से सांसद विजय बघेल को भाजपा का प्रत्याशी बनाया है, तबसे कांग्रेस में खलबली मच गई है, सन्नाटा पसर गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने शनिवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आदतन इधर-उधर की बात कर रहे हैं, लेकिन यह नहीं बता रहे कि उन्हें चुनाव में चित्त कर देने वाले सांसद बघेल के विरुद्ध ही चुनाव लड़ेंगे या पाटन के साथ एक अन्य किसी सीट पर भी किस्मत आजमाएंगे अथवा पाटन से पलायन करेंगे? ऐसी चर्चाएँ सुनाई पड़ रही हैं कि पाटन में हार की दहशत में कांग्रेस अपने मुख्यमंत्री के लिए कोई अन्य सीट तलाश रही है।

सुनने में आ रहा है कि धरसींवा की महिला विधायक की टिकट काटकर मुख्यमंत्री बघेल वहां पलायन कर सकते हैं। श्री साव ने कहा कि भाजपा के आंगन में ताक-झाँक के मनोरोग के पीड़ित मुख्यमंत्री कांग्रेस और अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं। समूची कांग्रेस असमंजस में है। कांग्रेस के कार्यकर्ता भ्रम में हैं कि उनके मुख्यमंत्री, मंत्री और कितने विधायक अपनी सीट पर ही चुनाव लड़ेंगे या उनकी थोक में टिकट कटेगी या फिर वे क्षेत्र बदलेंगे। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल से लेकर एक भी मंत्री और कोई भी कांग्रेस विधायक जनता की कसौटी पर खरा नहीं उतरा है और सभी ने जनता का भरोसा तोड़ा है।

मुख्यमंत्री भूपेश और उनके हैवीवेट मंत्रियों वाले दुर्ग संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव में सांसद बघेल ने कांग्रेस की जो दुर्गति की है, वह सबसे बड़ा प्रमाण है कि मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट की क्या राजनीतिक हैसियत है? छत्तीसगढ़ की 11 में से 09 लोकसभा सीटों पर भाजपा का कमल खिलाकर जनता अपना मत दे चुकी है कि कांग्रेस ने 4 माह में ही जनता का भरोसा खो दिया। हर लोकसभा क्षेत्र में औसतन 8 विधानसभा क्षेत्र होते हैं तो जाहिर है कि आज जगह-जगह भरोसे का सम्मेलन करने मजबूर मुख्यमंत्री बघेल और कांग्रेस पर जनता का कोई भरोसा नहीं है। जनता इस सरकार के गठन के बाद से ही इसके भ्रष्टाचार और अत्याचार से त्रस्त है। कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज पर भी माओवादियों और धर्मांतरण गैंग के इशारों पर काम करने का आरोप लगाया, कहा- ऐसे स्तरहीन बयान दे रहे हैं जो आदिवासियों को राष्ट्र की मुख्यधारा से काटने वाले हैं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज पर भी माओवादियों और धर्मांतरण गैंग के इशारों पर काम करने का आरोप लगाकर कहा है कि जबसे बैज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए हैं, तबसे वह लगातार ऐसे स्तरहीन बयान दे रहे हैं जो आदिवासियों को राष्ट्र की मुख्यधारा से काटने वाले हैं। कांग्रेस अध्यक्ष बैज के बयानों की भाषा का निहितार्थ इसी ओर इशारा कर रहे हैं। श्री साव ने कहा कि अपने बयानों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बैज आदिवासियों को हिन्दुओं से अलग करने का खुलेआम ऐलान कर चुके हैं। एक तरफ आदिवासियों का एक बहुत बड़ा वर्ग नारायणपुर, बस्तर समेत पूरे क्षेत्र में स्वयं अपनी मूल संस्कृति से विलग करने के माओवादियों और मिशनरियों के कुत्सित प्रयासों के प्रति सचेत हो रहा है तो दूसरी तरफ टुकड़े-टुकड़े गैंग, जिहादियों और माओवादियों की पोषक कांग्रेस के नए-नए सरगना दीपक बैज आदिवासियों को बरगलाकर राष्ट्र की मुख्यधारा और संस्कृति से अलग करने के लिए ऊलजलूल बयान दे रहे हैं। श्री साव ने कहा कि आदिवासियों को हिन्दुओं से अलग करने का उनका जो षड्यंत्र चल रहा है, कांग्रेस अध्यक्ष बैज के बयान उसका हिस्सा प्रतीत हो रहे हैं। भाजपा हर चुनाव को हमेशा गंभीरता से लेती रही है और उसी गंभीरता और पूरी ताकत के साथ इस बार भी प्रदेश के विधानसभा चुनाव के लिए मैदान में उतर चुकी है।

ईडी ने निलंबित आईएएस रानू साहू समेत 11 के खिलाफ किया चार्जशीट दाखिल

- **दो कांग्रेस विधायक का भी नाम भी शामिल**

रायपुर। कोल घोटाले के आरोप में जेल में बंद निलंबित आइएएस अफसर रानू साहू, भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, बिलाईगढ़ विधायक चंद्रदेव राय, निखिल चंद्राकर सहित अन्य 11 लोगों के खिलाफ शुक्रवार को ईडी चार्जशीट दाखिल की। अजय सिंह राजपूत की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल गई है। ईडी ने माइनिंग ट्रांसपोर्ट, परिवहन और उत्खनन में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। ईडी द्वारा चालान पेश करने के बाद मामले की अगली सुनवाई 23 सितंबर निर्धारित की गई है।

ईडी के वकील डा. सौरभ पांडेय के अनुसार चार्जशीट में आइएएस अफसर पर कलेक्टर के पद पर रहते हुए माइनिंग, ट्रांसपोर्ट के साथ उत्खनन करने में घोटाला करने के साथ कमीशन प्राप्त करने का उल्लेख किया गया है। आइएएस अफसर समीर

विश्नोई सहित राज्य प्रशासनिक सेवा के तीन अधिकारी, कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, लक्ष्मीनाराण तिवारी, सुनील अग्रवाल सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ पूर्व में चार्जशीट दाखिल किया जा चुका है। रानू साहू की गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को उनके साथ अन्य 11 के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई है। इस मामले में ईडी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की भी मांग की है। ईडी ने कोर्ट में जो चालान पेश किया गया है। चालान साढ़े पांच हजार पन्नों का बताया जा रहा है। चालन में मनी लांड्रिंग में आरोपी बनाए गए।आरोपितों की भूमिका का विस्तार से बताया गया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

विधानसभा चुनाव में कम से कम 75 सीटें जीतेंगे: सैलजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि हमारे राज्य छत्तीसगढ़ में जिस प्रकार से आम जनता की समृद्धि और विकास के काम हुये है उसके चलते लोगों में उत्साह है। सभी रिपोर्ट्स में भी यह कहा जा रहा है कि भूपेश बघेल की भरोसे की सरकार का कोई विकल्प छत्तीसगढ़ में नहीं है। कांग्रेस कार्यकर्ता के उत्साह को देखते हुये हमें पूरा विश्वास है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में कम से कम 75 सीटें जीतेंगे। केंद्र की मोदी सरकार के प्लानिंग कमीशन की रिपोर्ट में यह माना है कि छत्तीसगढ़ वर्तमान दौर में तेजी से विकास कर रहा है। विगत साढ़े चार वर्षो में कांग्रेस सरकार में छत्तीसगढ़ में 40 लाख लोग गरीबी रेखा की सूची से ऊपर उठे है। सभी जरूरतमंदों का ध्यान हमारी सरकार ने रखा है। हर वर्ग को ऊपर उठाने और उनकी सहूलियत के लिये हमारी सरकार ने कुछ न कुछ दिया है। हमारा लक्ष्य कम से कम 75 सीटों के साथ एक बार पुन: छत्तीसगढ़ राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाने का है। 17 से 22 अगस्त तक ब्लॉक में आवेदन देने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 24 अगस्त को ब्लॉक स्तर पर मीटिंग होगी। 26 अगस्त तक सभी आवेदन अनुशंसा के साथ जिला कांग्रेस कमेटी को भेजे जाएंगे। 28-29 अगस्त तक सभी जिला अपने मीटिंग करके प्रस्ताव तैयार करेंगे। ब्लॉक में प्राप्त सभी आवेदनों के साथ प्रस्ताव 31 अगस्त तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी में जमा किये जायेंगे।

न नेतृत्व, न मुद्दे, हवा में उड़ रहे भाजपा के नेता : बैज

रायपुर । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने झूठ और भ्रम फैलाकर राजनीति करना चाह रहे है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को भाजपा के 15 साल के काले कारनामों का जनता को जवाब देना चाहिये। कांग्रेस की सरकार ने जनता के लिए काम किया है। पारदर्शी सरकार दी है। भाजपा ने 15 साल घोटाले और कमीशनखोरी के अलावा कुछ नहीं किया। नान घोटाला, चिटफंड घोटाला, पनामा घोटाले की आरोपी रही है। भाजपा की सरकार के समय महिलाओं पर अपराध के आंकड़े भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को देख लेना चाहिए। वे माओवाद की बात कर रहे हैं, धर्मांतरण की बात कर रहे हैं तो 15 साल का इतिहास पढ़ लें। आज बस्तर में शांति है। पहले क्या था, सबको पता है। भाजपा राज में माओवाद का विस्तार हुआ। चर्च बने। इसका जवाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को देना चाहिए। वे पाटन की बात कर रहे हैं। भाजपा को खुद पर भरोसा है तो भूपेश बघेल के सामने रमन सिंह, अरुण साव का चेहरा घोषित करके दिखाए। भाजपा भूपेश बघेल से डरी हुई है। उसको मालूम है वह दहाई के अंक तक नहीं पहुंचेगी। भाजपा पूरे छत्तीसगढ़ में उनके नाम और काम से भयभीत है इसलिए मोदी शाह के भरोसे है। ये भी छत्तीसगढ़ में भाजपा की स्थिति से वाकिफ हैं और पल्ला झाड़ रहे हैं।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की बयानबाजी को उनकी बौखलाहट और हताशा का सबूत बताते हुए कहा कि भाजपा के पास न चुनावी नेतृत्व है और न चुनाव लड़ने के लिए कोई मुद्दा है।

ईडी भाजपा की अनुषांगिक संगठन बन गयी : शुक्ला

रायपुर। कांग्रेस ने कहा कि ईडी, सीबीआई, आईटी भाजपा के अनुषांगिक संगठन की भांति काम कर रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि तथाकथित कोल घोटाले मे ईडी द्वारा पेश चार्जशीट में भाजपा का राजनैतिक एजेंडा साफ झलक रहा है।ईडी की कार्यवाही पहले दिन से ही संदिग्ध रही हैं। चुनाव में भाजपा के पास कांग्रेस सरकार के खिलाफ कोई मुद्दा नहीं बचा है तो वह सरकार के कांग्रेस सरकार के खिलाफ विद्वेष पूर्ण कार्यवाही कर वातावरण बनाने की कोशिश मे है। इसी साजिश के कारण कांग्रेस विधायकों नेताओं के नाम ईडी नें चार्जशीट मे डाला है। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि देश में जब से मोदी सरकार बनी है वह केंद्रीय एजेंसियों का मनमाने दुरुपयोग कर रही है। राजनैतिक विरोधियों को दबाने तथा सत्तारूढ़ भाजपा के राजनैतिक हितों को साधने सेन्ट्रल एजेंसियों के दुरुपयोग का ऐसा उदाहरण इतिहास में कभी देखने नहीं मिला है। अपनी स्थापना के बाद ईडी में कुल 5422 केस दर्ज हुये है और इनमे से 5310 केस भाजपा की मोदी सरकार के दौरान 8 साल में दर्ज किये गये है। उसके पहले ईडी ने सिर्फ 112 केस दर्ज किया था। इनमें से 95 प्रतिशत विरोधी दल के नेताओं के खिलाफ दर्ज किया गया है।

हड़ताल कर रहे सहायक शिक्षक संवर्ग पर होगी बड़ी कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब हड़ताल पर जाने से अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश के सहायक शिक्षक संवर्ग अनाधिकृत रूप से हड़ताल पर गए, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। इसके लिए राज्य शासन ने निर्देश जारी कर दिया है। वहीं लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के सभी संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को कार्रवाई करने को कहा है। छत्तीसगढ़ के सहायक शिक्षक, समग्र शिक्षक छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन के आव्हान पर 10 अगस्त से पूर्ण सेवा की गणना कर सही वेतन निर्धारण और वेतन विसंगति को दूर करने के लिए अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे हैं। संवर्ग ने 18 अगस्त को ' जेल भरो आंदोलन' की रणनीति बनाई थी। इस हड़ताल से स्कूलों में पढ़ाई लिखाई पूरा तरह से ठप पड़ गई। विद्यालयों में तालाबंदी की स्थिति है, इसलिए राज्य शासन ने हड़ताल पर कड़ाई से कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के सभी संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से कहा है कि राज्य शासन के निर्देशानुसार शैक्षणिक कार्य को छोड़कर हड़ताल पर गए शिक्षकों, शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों को सर्वप्रथम अपने स्तर से व्यवहारिक रूप से समझाइश दी जाए और 24 घंटे के भीतर कक्षाएं ले। इसके बाद भी वे हड़ताल करते हैं, तो उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी करें। सभी विद्यार्थियों, पालकों और जनहित में उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

रीपा में बैंकिंग सुविधा,समय पर मिलेगी सैलरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रीपा से बड़े पैमाने में लोगों को लाभ मिल रहा है। प्रदेश के सभी रीपा में जल्द ही बैंकिंग सुविधा मिलेगी। इसके लिए आज छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग ने नाबार्ड, अपेक्स और अग्रणी बैंकों की बैठक ली है। इस बैठक में आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने नाबार्ड, अपेक्स और अग्रणी बैंकों की बैठक ली। यह बैठक नया रायपुर स्थित राज्य योजना आयोग के कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ में बने 300 रीपा में बैंक की सुविधा उपलब्ध कराने की चर्चा की गई है। इससे रीपा के ग्रामीण व्यवसायियों, स्व-सहायता समूहों को रीपा ग्राम में ही बैंकिंग सुविधा हो और समय से उनके पास पैसा पहुंच सके। इस समय 70 रीपा में बैंक सुविधा ग्रामीणों को उपलब्ध है। इसके साथ ही अन्य रीपा में बैंक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक में बैंकों को रीपा में चल रही गतिविधियों और हितग्राहियों को मिल रहे सुविधाओं कर बारे में जानकारी दी गई। आयोग के उपाध्यक्ष सिंह ने कहा की रीपा में बैंक लिंकेज करवाना सिर्फ हितग्राहियों के लिए ही नहीं, बल्कि बैंकों के लिए भी लाभदायक होगा। इस दौरान अजय सिंह ने सुझाव दिया की बैंक अपने क्षेत्र के रीपा में जागरूकता शिविर लगवाकर बैंकिंग सुविधाओं की बारे में लोगों को जानकारी दें। पंचायत विभाग और बैंक प्रतिनिधि समन्वय करके आगे की कार्य योजना तैयार करें। मुख्यमंत्री के सलाहकार शर्मा ने कहा कि आज के युवा महत्वाकांक्षी हो गए हैं।

किसानों की मांग लाई रंग, टेकारी क्षेत्र में गंगरेल से पहुंचा पानी

रायपुर। जल उपभोक्ता संस्था टेकारी के अधीन आने वाले वितरक शाखा टेकारी के अंतिम छोर के ग्राम संकरी व सोनभट्ठा माइनर के अंतिम छोर के ग्राम सोनभट्ठा में कवायद के बाद आज शुक्रवार को दोपहर बीतते-बीतते सिंचाई पानी पहुंचा।

गंगरेल बांध के कमांड एरिया में पानी पहुंचाने वाले महानदी मुख्य नहर से निकला है संस्था के अधीन आने वाला वितरक शाखा व माइनर। इस शाखा के शुरुआती ग्राम टेकारी, कुंडा , कठिया व अमेरी के बाद पड़ता है अंतिम ग्राम संकरी। इसी तरह माइनर में खौली के बाद आखिरी छोर का ग्राम है सोनभट्ठा। गंगरेल के पट खुलने के बाद भी अंतिम छोर के इन दोनों ग्रामों में पानी नहीं पहुंच पा रहा था। अभनपुर के विधायक धनेन्द्र साहू व रायपुर जिला जल

उपभोक्ता संस्था संघ के अध्यक्ष रहे भूपेन्द्र शर्मा द्वारा सिंचाई मंत्री रविन्द्र चौबे का गंगरेल से डिस्चार्ज बढ़ाये जाने की मांग के बाद डिस्चार्ज बढाया जाना शुरू तो हुआ पर गंगरेल के कमांड क्षेत्र के अधिकांश ग्रामों द्वारा मानसून ब्रेक की वजह से एक साथ पानी की मांग व किसानों के बीच पानी को ले मारामारी की स्थिति के चलते नहर में पानी का स्थायी गेज बनाये रखना मुश्किल हो चला था जिसमें बीते गुरुवार से स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। इधर रिमाडलिग व लाइनिंग के बाद सरपट संकरी तक पहुंचने वाला पानी भी शाखा में पानी आने के तीन - चार दिन बाद भी संकरी नहीं पहुंचा था। संस्था के अध्यक्ष रहे श्री शर्मा का ध्यानाकर्षण इस ओर कराये जाने पर उन्होंने संकरी के सरपंच प्रतिनिधि निखिल वर्मा को विभागीय मैदानी अमला की कमी होने की जानकारी देते हुये विभागीय टाइमकीपर रामेश्वर साहू को किसानों द्वारा सहयोग दे पानी के रास्ते में आ रहे रुकावटों का निरीक्षण कर दूर कर पानी संकरी तक ले जाने का आग्रह किया। इसके बाद सक्रिय हुये संकरी के किसानों ने पानी की मारामारी के चलते शाखा में ही पहले ग्रामों के किसानों द्वारा किये गये अस्थायी हेडअप को हटा पानी ले जाने में सफलता हासिल की व पुन: हेडअप व अन्य रुकावट न हो इसके निगरानी के लिये दैनिक कर्मी का भी प्रबंध किया गया है। इधर महानदी मुख्य नहर के 99 किलोमीटर में पानी का कम से कम 10 फीट का स्थायी गेज बनने पर ही सोनभट्ठा व इस संस्था के अधीन आने वाले कठिया आउटलेट में प्रभावी पानी का प्रवाह शुरू होता है। आज शुक्रवार को सोनभट्ठा के किसानों व समयपाल साहू के साथ संस्था अध्यक्ष रहे श्री शर्मा व मालीडीह संस्था के अध्यक्ष रहे हिरेश चंद्राकर ने सोनभट्ठा माइनर का निरीक्षण किया व सोनभट्ठा के किसानों से माइनर का सतत् निरीक्षण कर सोनभट्ठा तक पानी ले जाने का आग्रह किया। सोनभट्ठा के सक्रिय किसान ने जानकारी दी कि वे लगातार माइनर में के रुकावटों को दूर करने में लगे हैं।

पॉवर कंपनियों में हड़ताल का आंशिक असर अनुपस्थित रहने वालों को नोटिस जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी अधिकारी कर्मचारी ओपीएस बहाली संयुक्त मोर्चा के 18 अगस्त को सामूहिक अवकाश के हड़ताल का जनरेशन कंपनी के संयंत्रों में कोई असर नहीं रहा। वहां केवल 3त्न(81/2852) अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर रहे। जबकि ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में आंशिक असर रहा। ट्रांसमिशन में 26त्न (417/1587) और डिस्ट्रीब्यूशन में 35 त्न (3250/9122) अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर रहे। माननीय श्रम न्यायलय द्वारा विभिन्न कर्मचारी संघों की हड़ताल को अवैध घोषित किया गया, जिसकी सूचना सभी हड़ताली संघों को होने के बावजूद भी सामूहिक अवकाश लेने वाले कर्मचारी-अधिकारी हड़ताल पर गए जिससे पावर कंपनी के कामकाज पर आंशिक असर पड़ा और आम उपभोक्ता बेवजह परेशान हुए इसे प्रबंधन ने गंभीरता से लिया है, और इसलिए सभी हड़ताली विद्युत कर्मियों को नोटिस दी जा रही है एवं उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

माननीय श्रम न्यायालय के आदेश से सभी श्रमिक संघों/संगठनों को समय पर अवगत करा दिया गया था। इसके बावजूद, श्रमिक संघों द्वारा 18 अगस्त को हड़ताल की गयी। हड़ताल में कुल तीनों पावर कंपनियों में 13,561 विद्युत कर्मी कार्यरत हैं जिनमें से कुल 3,748 कर्मचारी/अधिकारी अर्थात् लगभग 28 प्रतिशत अनुपस्थित रहे। अनधिकृत अनुपस्थित कर्मचारियों/अधिकारियों के हड़ताल के दिन के वेतन की कटौती एवं हड़ताल अवधि को ''ब्रेक-इन-सर्विस'' किये जाने के संबंध में कार्यवाही की जा सकती है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.